इंदौर, मंडला, भोपाल, जबलपुर, कटनी, मुंबई, दिल्ली, रायपुर, नरसिंहपुर, सिवनी से एक साथ प्रकाशित

yashbharat.co.in

नये जमाने के साथ..

यश भारत

● वर्ष-1 अंक-167 ● इंदौर ● गुरुवार, 5 नवम्बर, 2026 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● कार्तिक कृष्ण पक्ष 11 ● विक्रम संवत् 2083

आत्म-नियंत्रण जीवन की असली शक्ति है। इसे मजबूत बनाना रोज़ का काम है।



अग्निवीरों को दो साल का सेवा विस्तार
अब 6 साल तक कर सकेंगे नौकरी

25 प्रतिशत को नियमित सैनिक बनाने का नियम बरकरार ,शेष 75 प्रतिशत को भी अतिरिक्त मौका

नई दिल्ली। यशभारत। अग्निपथ योजना के तहत सेना में भर्ती होने वाले अग्निवीरों के लिए बड़ी राहत की घोषणा की गई है। अब अग्निवीर चार साल के बजाय छह साल तक सेना में सेवाएं दे सकेंगे। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने बुधवार को दो साल का अतिरिक्त सेवा विस्तार देने का ऐलान किया। इस फैसले से उन 75 प्रतिशत अग्निवीरों को फायदा मिलने की उम्मीद है, जिन्हें चार साल की सेवा पूरी होने के बाद सेना से बाहर होना पड़ता था। हालांकि, अतिरिक्त दो साल की सेवा का लाभ अग्निवीरों की सहमति और निर्धारित शर्तों के आधार पर मिलेगा।

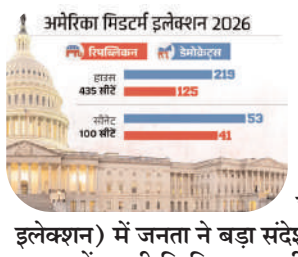
नई व्यवस्था में अग्निपथ योजना के मूल प्रावधान को बरकरार रखा गया है। इसके तहत प्रत्येक बैच के 25 प्रतिशत अग्निवीरों को चार साल की सेवा पूरी होने के बाद योग्यता और प्रदर्शन के आधार पर नियमित सैनिक के रूप में शामिल किया जाएगा। वहीं, शेष 75 प्रतिशत अग्निवीरों को दो साल का अतिरिक्त सेवा अवसर मिलेगा। इस अवधि में उन्हें बढ़ा हुआ वेतन और निर्धारित भत्ते भी दिए जाएंगे। छह साल की सेवा पूरी होने के बाद भी सेना में स्थायी नौकरी पाने के इच्छुक अग्निवीरों को चयन प्रक्रिया से गुजरना होगा। उनका चयन मेरिट, कार्यक्षमता और सेवा के दौरान प्रदर्शन के आधार पर किया जाएगा। दरअसल, अग्निपथ योजना के तहत भर्ती किए गए पहले बैच का चार साल का कार्यकाल दिसंबर 2026 तक पूरा होने जा रहा है। आंकड़ों के मुताबिक, 31 दिसंबर तक पहले बैच के करीब 18,300 अग्निवीरों की सेवा अवधि समाप्त होनी थी। यह संख्या पहले बैच में भर्ती हुए कुल 24,400 अग्निवीरों का लगभग 75 प्रतिशत है।






अमेरिकी मध्यावधि चुनाव में ट्रंप को बड़ा झटका
दोनों सदनों में डेमोक्रेट्स का कब्जा
डेमोक्रेटिक पार्टी को बहुमत, पिछले 21 में से 19 चुनावों में राष्ट्रपति की पार्टी हारी

वाशिंगटन, एजेंसी। ईरान की राजधानी तेहरान में सत्ता परिवर्तन का सपना देखने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अपने ही देश में राजनीतिक झटका लगा है। विदेश में सैन्य कार्रवाई और सख्त नीतियों के जरिए अपनी ताकत दिखाने की कोशिश कर रहे ट्रंप को मध्यावधि चुनाव (मिडटर्म इलेक्शन) में जनता ने बड़ा संदेश दिया है। चुनाव में उनकी रिपब्लिकन पार्टी को करारी हार का सामना करना पड़ा है और विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी ने संसद के दोनों सदनों- सीनेट और हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में बहुमत हासिल कर लिया है। इस नतीजे के साथ ही अमेरिकी राजनीति का सत्ता संतुलन बदल गया है और ट्रंप प्रशासन के सामने आगामी दो वर्षों में विधायी मोर्चे पर बड़ी चुनौतियां खड़ी होने के आसार हैं।



मिडटर्म चुनाव के नतीजों को ट्रंप सरकार के दो साल के कामकाज, विदेश नीति, आर्थिक फैसलों और ईरान के साथ जारी युद्ध के प्रति जनता की प्रतिक्रिया के तौर पर देखा जा रहा है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप ने भी स्वीकार किया कि रिपब्लिकन पार्टी के खराब प्रदर्शन के पीछे ईरान युद्ध एक कारण हो सकता है। चुनाव परिणामों ने साफ कर दिया है कि राष्ट्रपति की लोकप्रियता और उनकी नीतियों को लेकर मतदाताओं में असंतोष बढ़ा है। खास बात यह रही कि डेमोक्रेट्स ने उन राज्यों और क्षेत्रों में भी जीत दर्ज की, जिन्हें दशकों से रिपब्लिकन पार्टी का अभेद्य किला माना जाता रहा है।

मैं मैदान में होता तो भारी बहुमत से जीतते -ट्रंप

चुनाव में पार्टी की हार के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी प्रतिक्रिया में खुद को नतीजों से अलग रखने की कोशिश की। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि यदि वह खुद चुनाव मैदान में होते तो रिपब्लिकन पार्टी भारी बहुमत से जीत हासिल करती। उन्होंने कहा कि उन्हें कोई पछतावा नहीं है और वह आगे की ओर देख रहे हैं। ट्रंप का बयान ऐसे समय आया है, जब चुनावी नतीजों ने उनकी राजनीतिक पकड़ और नेतृत्व क्षमता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। हालांकि उन्होंने परिणामों को स्वीकार करने और डेमोक्रेट्स के साथ मिलकर काम करने की बात भी कही है।

रिपब्लिकन के मजबूत गढ़ों में भी सेंध

इस चुनाव की सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि डेमोक्रेटिक पार्टी ने केवल अपने परंपरागत प्रभाव वाले क्षेत्रों में ही जीत हासिल नहीं की, बल्कि रिपब्लिकन पार्टी के मजबूत गढ़ों में भी सेंध लगा दी। साउथ कैरोलिना में सीनेट सीट पर जीत को बड़ी राजनीतिक उपलब्धि माना जा रहा है। वर्ष 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में ट्रंप यहां 18 प्रतिशत अंकों के अंतर से आगे रहे थे। इसके अलावा टेक्सास में भी डेमोक्रेट्स की सफलता ने रिपब्लिकन खेमे को चौंका दिया। यहां वर्ष 1994 के बाद राज्य स्तर पर डेमोक्रेटिक पार्टी को बड़ी सफलता नहीं मिली थी। कंसास में भी डेमोक्रेट्स ने इतिहास रचते हुए जीत दर्ज की, जहां 1932 के बाद से कोई डेमोक्रेट सीनेटर निर्वाचित नहीं हुआ था।

सीनेट और प्रतिनिधि सभा में विपक्ष मजबूत

अमेरिकी संसद के दोनों सदनों में डेमोक्रेटिक पार्टी की बढ़त ने ट्रंप प्रशासन की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। सीनेट की कुल 100 सीटों में से 35 पर चुनाव हुए थे। नतीजों के बाद डेमोक्रेट्स के पास 52 सीटें हो गई हैं, जबकि रिपब्लिकन पार्टी 41 सीटों पर सिमट गई है। दूसरी ओर, प्रतिनिधि सभा की सभी 435 सीटों पर चुनाव हुए। यहां डेमोक्रेटिक पार्टी ने 218 सीटें जीतकर बहुमत हासिल किया, जबकि रिपब्लिकन पार्टी को अपेक्षित सफलता नहीं मिली। गवर्नर पदों के चुनाव में भी डेमोक्रेट्स ने बेहतर प्रदर्शन किया। 26 राज्यों के घोषित परिणामों में 17 सीटों पर डेमोक्रेटिक और 9 पर रिपब्लिकन उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की।

भारतीय मूल के उम्मीदवारों ने भी लहराया परचम

मध्यावधि चुनाव में भारतीय मूल के उम्मीदवारों ने भी अपनी राजनीतिक ताकत दिखाई। फ्लोरिडा के 22वें कांग्रेसनल जिले से डेमोक्रेटिक उम्मीदवार पिया डाडिया ने जीत हासिल कर प्रतिनिधि सभा में जगह बनाई। वहीं वर्जीनिया के 10वें कांग्रेसनल जिले से सुहास सुब्रमण्यम दोबारा निर्वाचित हुए। इन सफलताओं को अमेरिकी राजनीति में भारतीय मूल के समुदाय की बढ़ती भागीदारी और प्रभाव के तौर पर देखा जा रहा है।

नड्डा का आरोप- कांग्रेस देश को अस्थिर करना चाहती है
राहुल की राजनीति हिट एंड रन



भोपाल। यशभारत। भाजपा ने बुधवार को भोपाल में लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ पदयात्रा निकालकर कांग्रेस और राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला। अटल पथ पर आयोजित सभा में केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कांग्रेस पर लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने और देश में अस्थिरता पैदा करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस किस मुंह से लोकतंत्र की रक्षा की बात करती है, जबकि उसके शासनकाल में 90 बार चुनी हुई सरकारों को बर्खास्त किया गया। आपातकाल का उल्लेख करते हुए नड्डा ने कहा कि वे स्वयं इसके भुक्तभोगी रहे हैं। कांग्रेस और इंडी गठबंधन देश को अस्थिर करना चाहते हैं।

नड्डा ने राहुल गांधी की राजनीति को %हिट एंड रन% करार देते हुए कहा कि कांग्रेस चुनाव में लगातार मिल रही हार का ठीकरा चुनाव आयोग पर फोड़ रही है। महाराष्ट्र, हरियाणा और कर्नाटक में वोट चोरी के आरोप लगाए गए, लेकिन जब चुनाव आयोग ने हलफनामे के साथ आरोपों के समर्थन में सबूत मांगे तो कांग्रेस पीछे हट गई। उन्होंने कहा कि कांग्रेस समझ चुकी है कि आने वाले 20-30 वर्षों तक जनता उसे सत्ता में आने का अवसर नहीं देने वाली। यही वजह है कि वह अपनी राजनीतिक विफलताओं का दोष संवैधानिक संस्थाओं पर मढ़ रही है। ईवीएम पर सवाल उठाने के बजाय आत्मचिंतन करें राहुल ×केंद्रीय मंत्री ने ईवीएम और चुनाव प्रक्रिया पर कांग्रेस के सवालों को भी निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग ने ईवीएम हैक करने की चुनौती दी थी, लेकिन कांग्रेस का कोई नेता इसे स्वीकार करने सामने नहीं आया। राहुल गांधी को चुनावी हार के कारणों पर आत्मचिंतन करना चाहिए, न कि बार-बार ईवीएम और बैलेट पेपर पर सवाल उठाकर जनता को भ्रमित करना चाहिए।मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर न्यायपालिका और संवैधानिक संस्थाओं का अपमान करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का अपमान करने और चुनाव आयोग को अपनी जेब की पुड़िया समझने वालों को जनता कभी माफ नहीं करेगी। जब-जब न्यायालय ने कांग्रेस के खिलाफ फैसला दिया, तब-तब पार्टी ने न्यायाधीशों और न्यायालय की गरिमा पर सवाल उठाए। आपातकाल इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उल्लेख करते हुए कहा कि कांग्रेस ने जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और सोनिया गांधी के नेतृत्व में लंबे समय तक सत्ता चलाई, लेकिन अब जनता का समर्थन नहीं मिलने पर प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ नारेबाजी कर रही है।

निर्मला सप्रे के दलबदल पर दो महीने में फैसला करें विधानसभा अध्यक्ष, सुप्रीम कोर्ट का निर्देश
उमंग सिंघार की याचिका पर शीर्ष अदालत का आदेश



भोपाल। यशभारत। मध्यप्रदेश की बीना विधानसभा सीट से विधायक निर्मला सप्रे के दलबदल मामले में सुप्रीम कोर्ट ने महत्वपूर्ण निर्देश दिया है। शीर्ष अदालत ने विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर को दो महीने के भीतर मामले का निराकरण करने का आदेश दिया है। इस फैसले के बाद निर्मला सप्रे की विधानसभा सदस्यता को लेकर लंबे समय से जारी कानूनी और राजनीतिक विवाद एक बार फिर चर्चा में आ गया है। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि संविधान की दसवीं अनुसूची के तहत आने वाले दलबदल संबंधी मामलों का निपटारा अनिश्चितकाल तक लंबित नहीं रखा जा सकता।मामले में याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक तन्खा ने पक्ष रखा। कांग्रेस का आरोप है कि वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में निर्मला सप्रे ने बीना सीट से कांग्रेस के टिकट पर चुनाव जीतकर विधायक का पद हासिल किया था, लेकिन बाद में उन्होंने भाजपा का समर्थन करना शुरू कर दिया और सत्तारूढ़ दल के पक्ष में राजनीतिक गतिविधियों में हिस्सा लिया। कांग्रेस ने इसे दलबदल कानून का उल्लंघन बताते हुए उनकी विधानसभा सदस्यता समाप्त करने की मांग की थी।

बीना के गोदना में रिश्तों का कत्ल!
जेठानी और भतीजी को जिंदा जलाया



घरेलू कलह और ज़मीन के विवाद में देवरानी ने उठाया खौफनाक कदम

सागर, यशभारत । बीना थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम गोदना में सोमवार देर शाम पारिवारिक रंजिश और ज़मीन के विवाद ने एक खौफनाक रूप ले लिया। आरोप है कि घरेलू कलह के चलते देवरानी ने अपनी ही जेठानी और 13 वर्षीय भतीजी को आग के हवाले कर दिया, जिससे दोनों गंभीर रूप से झुलस गईं। घटना में गंभीर रूप से घायल 35 वर्षीय गिरजाबाई ठाकुर को तुरंत बीना से लाकर सागर के बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। वहीं, उनकी 13 वर्षीय बेटी की नाजुक हालत को देखते हुए उसे बेहतर और उच्च स्तरीय उपचार के लिए भोपाल के हमीदिया अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

क्या है मामला?

प्राप्त जानकारी के अनुसार, परिवार में लंबे समय से घरेलू कलह और ज़मीन के बंटवारे को लेकर विवाद चला आ रहा था। सोमवार शाम यह विवाद इतना बढ़ गया कि देवर आकाश की पत्नी (देवरानी) काजल गोस्वामी ने कथित तौर पर गिरजाबाई और उनकी नाबालिग बेटी पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा दी। इतना ही नहीं, दोनों को आग की लपटों में घिरा छोड़कर कमरे का दरवाजा बाहर से बंद कर दिया। मां-बेटी की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को उपचार के लिए बीना सिविल अस्पताल पहुंचाया गया। इस घटना के बाद से पूरे इलाके में सनसनी और दहशत का माहौल है। बीना थाना प्रभारी अनूप सिंह यादव ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि पुलिस ने घटना को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है।

दो से ज्यादा बच्चे करने पर कानूनी पाबंदी सही नहीं-सुको



नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि दो से ज्यादा बच्चे होने पर चुनाव लड़ने से रोकने वाले कानून अब प्रासंगिक नहीं रह गए हैं। कोर्ट के मुताबिक, भारत की प्रजनन दर 2003 में 3 थी, जो अब घटकर 1.9 रह गई है। कोर्ट ने कहा कि आने वाले समय में बुजुर्गों की आबादी बढ़ेगी और कामकाजी लोगों का अनुपात घटेगा। अगर इन बदलावों पर ध्यान नहीं दिया गया तो देश को गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच ने इस मामले में 2003 के अपने फैसले को बड़ी बेंच के पास भेज दिया, जिसमें कोर्ट ने हरियाणा के दो बच्चों वाले नियम को सही ठहराया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र की पूर्व सरपंच मंगला भीमराव की अयोग्यता भी रद्द कर दी। उन्हें तीसरे बच्चे के जन्म के कारण पद से कोर्ट बोला- बढ़ती आबादी का डर अब कानूनों का आधार नहीं - जस्टिस नरसिम्हा ने फैसला सुनाते हुए कहा- हमारी स्पष्ट राय है कि दो से ज्यादा बच्चे होने पर सजा देने वाले कानून अब अपनी प्रासंगिकता खो चुके हैं। इन कानूनों का आधार बढ़ती आबादी का डर था। पिछले कुछ दशकों में जनसंख्या से जुड़े बदलावों के कारण यह आधार खत्म हो गया है।कोर्ट ने बताया कि 2.1 की प्रजनन दर को रिप्लेसमेंट रेट माना जाता है। इस दर पर एक पीढ़ी अपनी जगह अगली पीढ़ी को ले सकती है। कोर्ट ने कहा कि जनसंख्या वृद्धि को रोकने के लिए बनाए गए कानूनों की अब समीक्षा जरूरी है।दो बच्चों की शर्त से राजनीतिक अधिकारों से वंचित करना गलत- कोर्ट ने 2003 के फैसले में दो बच्चों की शर्त को सही ठहराने के लिए इस्तेमाल किए गए तर्कों पर भी चिंता जताई।

राजस्थान में ट्रेन उड़ाने की साजिश!
पैसेंजर ट्रेन गुजरने के 45 मिनट बाद रेलवे ट्रैक पर भीषण धमाका



अनूपगढ़ (श्रीगंगानगर)। राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले में भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा के नजदीक मंगलवार रात रेलवे ट्रैक पर हुए भीषण विस्फोट ने सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मचा दिया। अनूपगढ़-सूरतगढ़ रेलखंड पर 50 जीबी गांव के पास रात करीब 9ः45 बजे हुए धमाके से रेलवे पटरी के नीचे करीब दो फीट गहरा गड्ढा बन गया और सीमेंट के दो स्लीपर क्षतिग्रस्त हो गए। चौंकाने वाली बात यह रही कि इसी ट्रैक से रात 9 बजे पैसेंजर ट्रेन गुजर चुकी थी। यानी ट्रेन के सुरक्षित निकलने के करीब 45 मिनट बाद विस्फोट हुआ। यदि धमाका ट्रेन के गुजरने के दौरान होता तो बड़ा रेल हादसा हो सकता था।

पाकिस्तानी नेटवर्क की आशंका के बीच एटीएस, आईबी, सीआईडी, एफएसएल और बम निरोधक दस्ते ने जांच शुरू कर दी है। सुरक्षा के मद्देनजर रेलवे ने चार ट्रेनें रद्द कर दीं।विस्फोट इतना जोरदार था कि इसकी आवाज करीब 200 मीटर दूर तक सुनाई दी। आसपास की ढाणियों में रहने वाले ग्रामीण मौके पर पहुंचे तो रेलवे लाइन क्षतिग्रस्त मिली। इसके बाद रामसिंहपुर थाना पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे। शुरुआती निरीक्षण में पटरी के नीचे गहरा गड्ढा, टूटे स्लीपर और आसपास बिखरी कंक्रीट सामग्री मिली। रेलवे की तकनीकी टीम ने मौके पर पहुंचकर नुकसान का आकलन शुरू किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए एटीएस, आईबी, सीआईडी, एफएसएल और बम निरोधक दस्ते की टीमें घटनास्थल पर पहुंचीं। पुलिस अधीक्षक हरिशंकर के मुताबिक मामले की जांच जारी है।

टीआई दिलीप पुरी हत्याकांड: दो आरोपियों का हाफ एनकाउंटर
पुलिस पर हमला कर भागने की कोशिश में पैर में लगी गोली



देवास, यशभारत। देवास में टीआई दिलीप पुरी की हत्या के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों का अलग-अलग स्थानों पर शॉर्ट एनकाउंटर किया है। दोनों आरोपियों के दाहिने पैर में गोली लगी है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तारी के बाद दोनों ने पुलिस अभिरक्षा से भागने की कोशिश की और इस दौरान पुलिसकर्मियों पर हमला कर हथियार छीन लिए। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने गोली चलाई। घायल आरोपियों को प्राथमिक उपचार के बाद इंदौर रेफर किया गया है। पुलिस के मुताबिक, हत्याकांड का मुख्य आरोपी गजेंद्र उर्फ अक्कू राठौर को अलीराजपुर से गिरफ्तार किया गया था। पुलिस टीम उसे लेकर खातेगांव आ रही थी। इसी दौरान रास्ते में पुलिस वाहन का टायर पंचर हो गया। पुलिसकर्मी जब टायर बदलने में जुटे थे, तभी आरोपी ने पुलिसकर्मी की बंदूक छीनकर फायरिंग कर दी। इसके बाद पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की, जिसमें गजेंद्र के दाहिने पैर के निचले हिस्से में गोली लगी। उसे प्राथमिक उपचार के बाद वैस्कुलर इंटरवेंशन के लिए इंदौर के अरविंदो अस्पताल भेजा गया, जहां उसका उपचार जारी है। इसी मामले में दूसरे आरोपी धीरज का भी पुलिस ने शॉर्ट एनकाउंटर किया। पुलिस के अनुसार, धीरज पुलिस अभिरक्षा से भागने की कोशिश कर रहा था। उसने पुलिसकर्मी से हथियार छीनकर हमला करने का प्रयास किया। पुलिस ने उसे चेतावनी दी, लेकिन वह नहीं रुका। इसके बाद आत्मरक्षा में पुलिस ने गोली चलाई, जो उसके दाहिने पैर में लगी। घायल धीरज को देवास जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां से हालत को देखते हुए इंदौर रेफर कर दिया गया। उसकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है। देवास सीएसपी सुमित अग्रवाल के मुताबिक, मुख्य आरोपी गजेंद्र ने गिरफ्तारी के बाद पुलिस टीम पर हमला कर फायरिंग की थी। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई में उसे गोली मारी। दूसरे आरोपी के खिलाफ भी पुलिस अभिरक्षा से भागने और पुलिसकर्मी पर हमला करने की स्थिति में कार्रवाई की गई। दोनों घटनाओं के बाद पुलिस मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

अबू धाबी में मनाया गया भगवान बिरसा मुंडा का जयंती समारोह
प्रवासी भारतीयों ने दिखाई सांस्कृतिक एकजुटता





अबू धाबी, यशभारत। बिहार एंड झारखंड समाज, अबू धाबी द्वारा भगवान बिरसा मुंडा दिवस के अवसर पर भारतीय दूतावास, अबू धाबी में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समारोह में संयुक्त अरब अमीरात में भारत के राजदूत डॉ. दीपक मित्तल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत और संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रगीतों के गायन तथा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर स्कूली विद्यार्थियों द्वारा भगवान बिरसा मुंडा के जीवन, संघर्ष और आदिवासी संस्कृति पर आधारित बनाई गई पेंटिंग्स की आकर्षक प्रदर्शनी लगाई गई। प्रदर्शनी के माध्यम से बच्चों ने अपनी कला प्रतिभा का प्रदर्शन करने के साथ ही महान स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा के जीवन और उनके योगदान को रेखांकित किया। समारोह को संबोधित करते हुए भारतीय राजदूत डॉ. दीपक मित्तल ने भगवान बिरसा मुंडा के जीवन, उनके संघर्ष, साहस और देश की आजादी में उनके योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का जीवन देशभक्ति, सामाजिक चेतना और अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने विदेश में रहते हुए भी भारतीय संस्कृति, परंपराओं और महापुरुषों की विरासत को जीवित रखने के लिए बिहार एंड झारखंड समाज सहित अबू धाबी में रह रहे प्रवासी भारतीयों की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान अबू धाबी में निवासरत विभिन्न प्रदेशों के प्रतिष्ठित व्यक्तियों को स्मृति चिह्न एवं शॉल भेंटकर सम्मानित किया गया। समारोह में महिलाओं और बच्चों ने नृत्य एवं गायन की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। भारतीय लोक संस्कृति और परंपराओं पर आधारित इन प्रस्तुतियों ने आयोजन को उत्साह, उमंग और रंगों से भर दिया। विदेश की धरती पर भारतीय सांस्कृतिक विरासत की जीवंत झलक देखने को मिली। पूरे कार्यक्रम में देशप्रेम, सामाजिक एकजुटता और सांस्कृतिक गौरव का वातावरण बना रहा।

सिवनी के छोटे गांव से लाल किले तक पहुंचा पत्रकार सलीम का सफर
डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम रत्न पुरस्कार से हुए सम्मानित
कभी साइकिल से घर-घर अखबार पहुंचाते थे सलीम रेहमान, मुंबई से लेकर दुबई तक पत्रकारिता में बनाई पहचान



नई दिल्ली , यश भारत । मध्य प्रदेश के सिवनी जिले के एक छोटे से गांव गोपालगंज से शुरू हुआ संघर्ष और मेहनत का सफर आज दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले तक पहुंच गया है। गांव की गलियों में साइकिल से अखबार बेचने वाले सलीम रेहमान को डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। उनकी इस उपलब्धि ने न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे सिवनी जिले और मध्य प्रदेश को गौरवान्वित किया है। सलीम रेहमान की कहानी किसी बड़े शहर की सुविधाओं या संसाधनों से शुरू नहीं हुई। उनका ताल्लुक सिवनी जिले के छोटे से गांव गोपालगंज से है। शुरुआती दिनों में उन्होंने साइकिल पर घूम-घूमकर अखबार बेचने का काम किया। इसी दौरान समाचारों और पत्रकारिता के प्रति उनकी रुचि बढ़ी और उन्होंने धीरे-धीरे लिखना शुरू किया। यहीं से उनके पत्रकारिता के सफर की नींव पड़ी। सीमित संसाधनों के बावजूद आगे बढ़ने का उनका जुनून उन्हें एक शहर से दूसरे शहर और फिर देश की सीमाओं के पार ले गया। सलीम ने अपने पत्रकारिता करियर में सिवनी से शुरुआत की और फिर नागपुर तथा मुंबई में अपनी पहचान बनाई। इसके बाद उनका सफर संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) तक पहुंचा, जहां वे वर्तमान में पत्रकारिता के क्षेत्र में सक्रिय हैं। मुंबई और दुबई में भी उन्हें कई पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले में आयोजित सम्मान समारोह में उन्हें डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम रत्न पुरस्कार प्रदान किया गया। इनमें यूएई के शाही परिवार के वरिष्ठ सलाहकार एवं ट्रस्ट इन ट्रेड के सीईओ डॉ. अर्शी अयूब जवेरी, डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के भतीजे और हाउस ऑफ कलाम, रामेश्वरम के सचिव एपीजेएम जैनुलाबुद्दीन प्रमुख रूप से शामिल रहे।

अंतरराष्ट्रीय हॉकी का महाकुंभ 19 नवंबर से

भोपाल बनेगा ग्लोबल विमेंस हॉकी का हब, 166 देशों में होगा सीधा प्रसारण

भोपाल, यशभारत

मध्य प्रदेश की खेल राजधानी भोपाल एक और ऐतिहासिक अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि के मुहाने पर खड़ी है। राज्य में पहली बार महिला हॉकी का सबसे बड़ा महामुकाबला होने जा रहा है। खेल, युवा कल्याण और संस्कृति के संगम के रूप में उभर रहे भोपाल के नाथू बरखेड़ा स्थित अंतरराष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आगामी 19 से 28 नवंबर 2026 तक एशियन वुमेंस हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी का भव्य आयोजन होगा। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के जरिए भोपाल और मध्य प्रदेश वैश्विक मानचित्र पर महिला हॉकी के एक प्रमुख केंद्र के रूप में अपनी अमिट छाप छोड़ने के लिए पूरी तरह तैयार है।

इस महामुकाबले में मेजबान भारत के साथ-साथ एशिया की पांच दिग्गज हॉकी टीमें खिताब के लिए अपनी ताकत झोकेंगी। टूर्नामेंट में जापान, चीन, मलेशिया, दक्षिण कोरिया और थाईलैंड की महिला टीमें हिस्सा लेंगी। इसमें लगभग 150 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी शिरकत करेंगी। खिलाड़ियों के बीच होने वाली यह कड़ी टक्कर दर्शकों को रोमांच से भर देगी।



166 देशों में लाइव ब्रॉडकास्ट, दुनिया देखेगी मप्र की ताकत

यह आयोजन सिर्फ एक खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि मध्य प्रदेश की ग्लोबल ब्रांडिंग का भी बड़ा मंच है। टूर्नामेंट के सभी रोमांचक मुकाबलों का सीधा प्रसारण दुनिया के 166 देशों में किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता का औपचारिक शुभारंभ करेंगे। नाथू बरखेड़ा के नवनिर्मित अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम और अत्याधुनिक एस्ट्रो टर्फ ग्राउंड पर पांच हजार दर्शकों की क्षमता वाले स्टेडियम में फ्लड लाइट्स की रोशनी के बीच डे-नाइट मुकाबले खेले जाएंगे, जो खेल प्रेमियों के लिए एक विहंगम अनुभव होगा।

टीटी नगर स्टेडियम में पूरा हुआ एमओयू, विशेष जर्सी भेंट-टूर्नामेंट की तैयारियों को अमलीजामा पहनाने के लिए हाल ही में खेल मंत्री विश्वास सारंग की विशेष मौजूदगी में टीटी नगर स्टेडियम में महत्वपूर्ण प्रक्रिया पूरी की गई। इस दौरान एशियन हॉकी फेडरेशन, हॉकी इंडिया और मध्य प्रदेश शासन के खेल एवं युवा कल्याण विभाग के बीच आधिकारिक एमओयू (समझौता ज्ञापन) पर मुहर लगी। इस अवसर पर भारतीय हॉकी फेडरेशन के सचिव भोलानाथ सिंह ने एशियन गेम्स-2026 में स्वर्ण पदक विजेता रही भारतीय पुरुष हॉकी टीम के खिलाड़ियों के हस्ताक्षर और उनके नाम से सुसज्जित विशेष जर्सी व हॉकी स्टिक भेंट कर इस आयोजन के ऐतिहासिक महत्व को और बढ़ा दिया।

जनजातीय संस्कृति और स्वाद से सजेगा आयोजन

अंतरराष्ट्रीय मेहमानों और दर्शकों के लिए खेल के साथ-साथ मध्य प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और आतिथ्य को भी विशेष रूप से प्रदर्शित किया जाएगा। आयोजन स्थल पर विशेष ट्राइबल फूड और आर्ट स्टॉल स्थापित किए जाएंगे। इसके माध्यम से दुनिया भर से आने वाले मेहमानों को मध्य प्रदेश की अनूठी जनजातीय संस्कृति, पारंपरिक कलाओं और खानपान से रूबरू कराया जाएगा।

इस महाआयोजन के प्रति प्रदेशभर में जन-उत्साह और खेल के माहौल को चरम पर पहुँचाने के लिए भोपाल से एक भव्य ट्रॉफी टूर की शुरुआत की जाएगी, जो मध्य प्रदेश के सभी संभागों का दौरा करेगा। यह टूर आम जनता और युवाओं को इस ऐतिहासिक अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता से सीधे जोड़ने का काम करेगा।

रेलवे पेंशनर्स के लिए विशेष शिविर, स्वास्थ्य जांच के साथ बनेगा डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र

भोपाल, यश भारत। पश्चिम मध्य रेल द्वारा पेंशनर्स एवं पारिवारिक पेंशनर्स की सुविधा के लिए नवंबर माह में विशेष शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। सवारी डिब्बा पुनर्निर्माण कारखाना निशातपुरा में 1 से 30 नवंबर तक निःशुल्क स्वास्थ्य जांच और डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र बनाने की सुविधा उपलब्ध रहेगी। इसके तहत 4 नवंबर को मंडल रेल चिकित्सालय निशातपुरा और 5 नवंबर को पॉलीक्लीनिक हबीबगंज में शिविर लगाया जाएगा। इसके बाद 12 नवंबर को इटारसी 19 को बीना और 26 नवंबर को गुना में शिविर आयोजित होंगे। शिविरों में डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र अपलोड करने का प्रशिक्षण और स्वास्थ्य परीक्षण किया जाएगा। वहीं सादिकपुरा स्थित वेस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर संघ कार्यालय में कार्यदिवसों पर सुबह 11 से दोपहर 3 बजे तक सुविधा मिलेगी। 80 वर्ष से अधिक उम्र के पेंशनर्स को विशेष सहायता दी जाएगी। साथ ही साइबर धोखाधड़ी से बचाव की जानकारी भी दी जाएगी।



योग से सेहत का संदेश, छोटी आदतों से पर्यावरण संरक्षण की सीख

भोपाल मंडल में मना रहा ब्रिक्स सस्टेनेबल लाइफस्टाइल वीक, रेलवे स्टेशनों से अस्पतालों तक हो रहे जागरूकता कार्यक्रम

भोपाल, यश भारत।

स्वस्थ शरीर और स्वच्छ पर्यावरण का संदेश लेकर भोपाल रेल मंडल में ब्रिक्स सस्टेनेबल लाइफस्टाइल वीक मनाया जा रहा है। भारतीय रेलवे की ओर से 1 से 7 नवंबर तक आयोजित इस अभियान के तहत मिशन लाइफ के अंतर्गत विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम किए जा रहे हैं। अभियान के तहत रेलवे स्टेशनों, कार्यालयों और रेलवे अस्पताल में योग सत्र आयोजित किए गए। इनमें रेलवे अधिकारियों, कर्मचारियों और अन्य लोगों ने भाग लेकर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। इस सप्ताह ऊर्जा और जल संरक्षण, खाद्य अपव्यय रोकने सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग घटाने, ई-कचरे के उचित निस्तारण और कचरा प्रबंधन जैसे विषयों पर जागरूकता फैलाई जा रही है।

रेलवे का उद्देश्य लोगों को दैनिक जीवन में छोटी-छोटी आदतें बदलने के लिए प्रेरित करना है ताकि प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण हो सके और पर्यावरण संरक्षण जनभागीदारी का अभियान बने।



बिजली कंपनी के कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 2 प्रतिशत बढ़ा, अब मिलेगा 60 फीसदी

भोपाल, यश भारत। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने अपने नियमित कार्मिकों के महंगाई भत्ते में 2 प्रतिशत की वृद्धि करते हुए इसे 58 से बढ़ाकर 60 प्रतिशत कर दिया है। यह लाभ 1 जनवरी 2026 से सातवें वेतनमान के तहत लागू होगा। बढ़े हुए महंगाई भत्ते का भुगतान अक्टूबर 2026 के वेतन के साथ किया जाएगा। जनवरी से सितंबर 2026 तक के एरियर का भुगतान नवंबर, दिसंबर 2026 और जनवरी 2027 के वेतन के साथ तीन समान किश्तों में होगा। इस अवधि में सेवानिवृत्त या दिवंगत हुए कर्मचारियों को एरियर की राशि एकमुश्त दी जाएगी। वहीं कंपनी ने पेंशनरों और परिवार पेंशनरों की महंगाई राहत में भी वृद्धि की है। छठवें वेतनमान के तहत महंगाई राहत 262 प्रतिशत और सातवें वेतनमान के तहत 60 प्रतिशत निर्धारित की गई है। छठवें वेतनमान में 5 प्रतिशत और सातवें वेतनमान में 2 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। बढ़ी हुई राहत जुलाई 2026 से देय होगी।



सड़कों से पकड़े 28 आवारा पशु भेजे कांजी हाउस

बीमार और घायल 4 पशुओं को पहुंचाया आसरा पशु चिकित्सालय, हांका पार्टी ने 15 पशुओं को हटाया

भोपाल, यश भारत। शहर की सड़कों, फुटपाथों और सार्वजनिक स्थलों पर खुले में विचरण करने वाले पशुओं को हटाने के लिए नगर निगम का अभियान लगातार जारी है। मंगलवार को निगम की गोवर्धन परियोजना शाखा के अमले ने विभिन्न क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए 28 पशुओं को पकड़कर कांजी हाउस भेजा जबकि बीमार और घायल 4 पशुओं को आसरा पशु चिकित्सालय पहुंचाया। वहीं हांका पार्टी ने 15 पशुओं को सड़कों से हटाया । निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निर्देश पर लिंक रोड अटल पथ नेहरू नगर माता मंदिर अवधपुरी पिपलानी साकेत नगर बरखेड़ा पठानी गांधी नगर एयरपोर्ट लालघाटी करोंद भानपुर और अयोध्या बायपास सहित कई क्षेत्रों में अभियान चलाया गया। निगम की टीम ने सार्वजनिक स्थलों से पशुओं को हटाकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की कार्रवाई की।



शहरभर चला अतिक्रमण हटाओ अभियान, 4 ठेले और 25 कैरेट जब्त

भोपाल, यश भारत। नगर निगम का अतिक्रमण विरोधी अभियान मंगलवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों में जारी रहा। निगम अमले ने सीएम हेल्पलाइन महापौर हेल्पलाइन से मिली शिकायतों और नियमित कार्रवाई के तहत कई स्थानों से अवैध कब्जे हटाए। इस दौरान 4 ठेले 1 काउंटर और 25 कैरेट जब्त किए गए। निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निर्देश पर कोलार सनखेड़ी 1100 क्वार्टर अंकुर खेल परिसर औरा मॉल बागमुगालिया 11 मील जवाहर चौक भारत टॉकीज रेलवे स्टेशन पीरगेट रॉयल मार्केट और ईदगाह हिल्स सहित कई क्षेत्रों में कार्रवाई की गई। बागमुगालिया में चार अवैध चबूतरे और 11 मील व राजहर्ष कॉलोनी में अस्थायी छप्पर हटाए गए। भारत टॉकीज साजिदा नगर और रॉयल मार्केट से रास्ते में बाधक वाहन भी हटवाए गए। वहीं न्यू मार्केट में दुकानों के बाहर रखा सामान हटवाकर निर्धारित सीमा में रखवाया गया। सड़क और फुटपाथ पर कारोबार करने वाले हॉकर्स को टीटी नगर हाट बाजार भेजा गया। निगम ने दुकानदारों को अतिक्रमण नहीं करने की समझाइश भी दी।

मामे खान के सुरों पर झूम उठा लाल परेड ग्राउंड

राजस्थानी लोकगीतों ने बांधा समां

जनजातीय नृत्यों से लेकर सूफियाना संगीत तक दिखी संस्कृति की विविधता

भोपाल, यश भारत।

मध्यप्रदेश के 71वें स्थापना दिवस समारोह का समापन मंगलवार को लोक एवं जनजातीय संस्कृति और राजस्थानी संगीत के शानदार संगम के साथ हुआ। लाल परेड ग्राउंड में आयोजित अंतिम सांस्कृतिक संध्या में राजस्थान के प्रसिद्ध लोक गायक मामे खान ने अपनी दमदार आवाज से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम की शुरुआत भारिया कोरकू और घासी जनजातियों के पारंपरिक नृत्यों से हुई। इसके बाद गुजरात छत्तीसगढ़ महाराष्ट्र तेलंगाना और राजस्थान के



कलाकारों ने लोकनृत्यों की प्रस्तुतियां दीं। मामे खान ने केसरिया बालम से गायन शुरू कर वंदे मातरम् चौधरी छाप तिलक और दमादम मस्त कलंदर? जैसे गीतों से माहौल संगीतमय कर दिया। रेशम का रूमाल ने भी खूब रंग जमाया। तीन दिवसीय आयोजन में प्रदर्शनियों देशज व्यंजन मेले किसान बाजार और महिला उद्यमिता मंडप ने भी लोगों को आकर्षित किया।

मिठी के बच्चों ने दीपोत्सव पर अपनाया परोपकार का मार्ग



हिरदाराम नगर

मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल में दीपावली के पूर्व एक विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में परोपकार, सामाजिक उत्तरदायित्व और जरूरतमंदों की सहायता करने की भावना विकसित करना था।

बच्चों से कहा गया कि दीपावली केवल दीप जलाने का पर्व नहीं, बल्कि वंचित लोगों के जीवन में भी खुशियां फैलाने का अवसर है। इस पहल के तहत छात्रों को प्रोत्साहित किया गया कि वे अपनी क्षमतानुसार जरूरतमंद बच्चों या परिवारों को कपड़े, मिठाइयां, बर्तन या उपहार भेंट करें तथा अपने इस अनुभव को लिपिबद्ध कर फोटो के साथ क्लास टीचर से साझा करें।

प्राचार्या रेखा केवलानी ने कहा कि पर्व का असली आनंद तभी है जब हमारी खुशियों की चमक किसी गरीब के आशियाने को भी रोशन करे। उपप्राचार्या दिव्या कृपलानी ने विचार व्यक्त किया कि खुशियां बांटने से बढ़ती हैं।

80 प्रतिशत से अधिक दिव्यांग रमेश प्रसाद को मिली ट्रायसाइकिल

जनसुनवाई में 116 आवेदकों ने रखीं समस्याएं, अधिकारियों ने सुनी फरियाद

कई मामलों का मौके पर निराकरण

भोपाल, यश भारत।

कलेक्टर प्रियंक मिश्रा के निर्देशन में मंगलवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई में अधिकारियों ने नागरिकों की समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई में कुल 116 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से कई मामलों का मौके पर ही निराकरण किया गया। जनसुनवाई में एडीएम पीसी शाक्य और अपर कलेक्टर महेन्द्र कबचे ने आवेदकों से चर्चा कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान 80 प्रतिशत से अधिक पैरों से दिव्यांग



रमेश प्रसाद को अपर कलेक्टर महेन्द्र कबचे एवं डिप्टी कलेक्टर अर्चना शर्मा ने ट्रायसाइकिल प्रदान की। अधिकारियों ने प्रत्येक आवेदक की बात धैर्यपूर्वक सुनी और समस्याओं के शीघ्र निराकरण का आश्वासन दिया। साथ ही मौके पर उपस्थित एसडीएम एवं अन्य अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों पर संवेदनशीलता से कार्रवाई करने और संबंधित क्षेत्रों की समस्याओं का प्राथमिकता से निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

एम्स भोपाल में बुजुर्ग कैंसर मरीजों की देखभाल पर विशेष शैक्षणिक सत्र आयोजित

भोपाल, यश भारत।

ब्रेस्ट कैंसर जागरूकता माह के अंतर्गत एम्स भोपाल में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय इग्नू के जराचिकित्सा जेरिएट्रिक मेडिसिन के विद्यार्थियों के लिए विशेष शैक्षणिक सत्र आयोजित किया गया। इसका विषय मैलिग्नेंसी गंभीर रूप से बीमार मरीजों की देखभाल और बुजुर्गों में उपशामक देखभाल रहा। सत्र में एम्स भोपाल के मेडिकल ऑन्कोलॉजी एवं हेमेटोलॉजी विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ.



आकांक्षा चौधरी ने विद्यार्थियों को कैंसर से पीड़ित बुजुर्ग मरीजों की देखभाल के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। उन्होंने गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों की जरूरतों उपचार के दौरान संवेदनशीलता और उपशामक देखभाल के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन आनंद कुमार और डॉ. सिवानी तमांग ने किया। इस दौरान बुजुर्ग मरीजों की गरिमा बनाए रखने उनकी शारीरिक एवं मानसिक जरूरतों को समझने और जीवन की गुणवत्ता बेहतर बनाने पर विशेष जोर दिया गया। सत्र का उद्देश्य भावी स्वास्थ्य पेशेवरों को बुजुर्ग कैंसर मरीजों के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाने और बेहतर देखभाल के लिए प्रशिक्षित करना रहा।

हनुमान चालीसा पाठ के साथ मेधावी विद्यार्थी हुए पुरस्कृत



हिरदाराम नगर.

दीपमाला पागारानी संस्कार पब्लिक स्कूल में सत्र 2025-26 के मेधावी विद्यार्थियों के लिए पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत हनुमान चालीसा के पाठ भी किया गया।

मुख्य अतिथि कर्नल नारायण पारवानी ने विद्यार्थियों को हनुमान जी की तरह अपनी असीम शक्ति पहचानने और निरंतर मेहनत कर आकाश छूने के लिए प्रेरित किया। संस्था के अध्यक्ष श्री सुषील वासवानी ने समय का सदुपयोग, बड़ों का आदर, मधुर वाणी और मानव सेवा का संदेश दिया। सचिव बसंत चेलानी ने न्यूनतम फीस में अधिकतम सुविधा देने की बात कही, जबकि समाजसेवी मनोहर वासवानी ने ईश्वर के नाम से शुरुआत कर दूसरों के हित में सोचने की प्रेरणा दी। प्राचार्य आर.के. मिश्रा और मोन्टेसरी इंचार्ज प्रियांषी आडवानी सहित सभी शिक्षकों ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। अंत में चन्दर नागदेव ने सभी का आभार व्यक्त किया।

एलएनसीटी कॉलेज में युवा संसद और युवा संवाद का आयोजन, 200 से अधिक युवाओं ने लिया हिस्सा

नशा मुक्ति और विकसित भारत के संकल्प के साथ युवाओं ने ली लोकतांत्रिक प्रतिज्ञा

भोपाल, यश भारत।

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के मेरा युवा भारत माय भारत भोपाल द्वारा 3 नवंबर को एलएनसीटी कॉलेज में युवा संसद और विकसित भारत युवा संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें 200 से अधिक छात्र-छात्राओं और युवाओं ने भाग लेकर नशा मुक्ति, लोकतांत्रिक मूल्यों और राष्ट्र निर्माण से जुड़े विषयों पर विचार साझा किए। कार्यक्रम के



पहले सत्र में नशा मुक्त युवा विषय पर चर्चा हुई। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो भोपाल के सुपरिंटेंडेंट कौशिक मन्ना और जूनियर इंटेलिजेंस ऑफिसर अमन पचौरी ने नशे से जुड़े कानूनी प्रावधानों और सुरक्षा एजेंसियों की भूमिका की जानकारी दी। ब्रह्माकुमारीज के सुखेंद्र जी ने आत्मनियंत्रण और मानसिक मजबूती का संदेश दिया। वहीं राजीव तिवारी ने युवाओं को साथियों के दबाव में नशे से दूर रहने की सलाह दी। दूसरे सत्र में स्पोर्ट्स आइकॉन तरुण सिंह, विशाल कुमार और यूथ आइकॉन नंदिनी पांडे ने युवाओं से संवाद किया तथा राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका पर विचार रखे। इस दौरान नशा विरोधी लघु फिल्मों का प्रदर्शन किया गया। प्रतिभागियों ने नशा मुक्त रहने और लोकतांत्रिक मूल्यों के पालन की शपथ भी ली। उत्कृष्ट प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम के अंत में माय भारत भोपाल की डिप्टी डायरेक्टर निक्की राठौर ने अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

छठ पर यूपी-बिहार जाने वालों की मुश्किलें बरकरार

2 हजार से ज्यादा विशेष ट्रेनों के दावे फेल, जनरल और स्लीपर में भारी भीड़; कन्फर्म टिकट वाले भी परेशान

जेदवी, यशभारत। दिवाली के बाद अब छठ महापर्व पर गांव जाने की तैयारी कर रहे उत्तर प्रदेश और बिहार के यात्रियों की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। रेलवे की ओर से हजारों विशेष ट्रेनें चलाने के दावों के बावजूद मुंबई के प्रमुख स्टेशनों पर भारी भीड़ उमड़ रही है। एलटीटी, सीएसएमटी, दादर और कल्याण स्टेशनों पर यात्रियों की लंबी कतारें और प्लेटफॉर्म पर अफरा-तफरी का माहौल है।

मुंबई से पटना, दानापुर, गोरखपुर, वाराणसी और दरभंगा जाने वाली ट्रेनों में पैर रखने तक की जगह नहीं है। जनरल डिब्बों के साथ स्लीपर कोचों में भी अनधिकृत यात्रियों की भीड़ से आरक्षित टिकटधारकों को परेशानी हो रही है। कन्फर्म टिकट होने के बावजूद यात्रियों को अपने कोच तक पहुंचने और ट्रेन में चढ़ने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है।

रेलवे के अनुसार, देशभर में करीब 8,454 विशेष ट्रेन फेरे संचालित किए गए हैं। इनमें बिहार के लिए 2,057 और उत्तर प्रदेश के लिए 1,056



फेरे शामिल हैं। मध्य रेल ने मुंबई और पुणे से 418 विशेष सेवाओं की घोषणा की है। इसके बावजूद नियमित ट्रेनों और प्लेटफॉर्म पर भीड़ का दबाव कम नहीं हो रहा है।

13 से 16 नवंबर तक छठ महापर्व के चलते आने वाले दिनों में यात्रियों की संख्या और बढ़ने की आशंका है। ऐसे में रेलवे के सामने भीड़ नियंत्रण, सुरक्षा और यात्रियों को सुविधाजनक यात्रा उपलब्ध कराने की बड़ी चुनौती है।

दीपावली-छठ पर रेलवे का अतिरिक्त इंतजाम

36 विशेष ट्रेनों के बढ़ाए फेरे, आज से शुरू होगा आरक्षण

दीपावली और छठ पूजा पर यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए मध्य रेलवे ने 36 विशेष ट्रेनों के परिचालन की अवधि नवंबर के अंतिम सप्ताह तक बढ़ा दी है। इनमें एलटीटी-समस्तीपुर, एलटीटी-बनारस, एलटीटी-दानापुर, एलटीटी-मऊ, एलटीटी-मडगांव और तिरुवनंतपुरम नॉर्थ सहित कई मार्गों की ट्रेनें शामिल हैं। खड़की-सांगानेर और हडपसर-गाजीपुर सिटी विशेष ट्रेनों के फेरे भी बढ़ाए गए हैं।

एलटीटी-समस्तीपुर ट्रेन 24 नवंबर और वापसी सेवा 26 नवंबर तक चलेगी। एलटीटी-दानापुर विशेष ट्रेन 22 से 29 नवंबर तथा वापसी सेवा 23 से 30 नवंबर तक प्रतिदिन उपलब्ध रहेगी।

रेलवे के अनुसार, चयनित ट्रेनों का आरक्षण 5 नवंबर यानी आज से आरक्षण केंद्रों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगा। अनारक्षित टिकट यूटीएस और रेलवन ऐप से बुक किए जा सकेंगे। ट्रेनों के समय और ठहराव की जानकारी एनटीईएस ऐप पर मिलेगी।

आयुष्मान खुराना को लॉरेंस गैंग के नाम पर धमकी

करोड़ों रुपये की फिरौती मांगी, मुंबई पुलिस ने शुरू की जांच

मुंबई, यशभारत। बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना को धमकी भरा ऑडियो मैसेज भेजकर करोड़ों रुपये की मांग किए जाने का मामला सामने आया है। ऑडियो भेजने वाले व्यक्ति ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई गैंग का सदस्य बताया है। मामले की जानकारी मिलने के बाद मुंबई पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। हालांकि, अभी तक इस संबंध में एफआईआर दर्ज नहीं की गई है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, जांच एजेंसियां



ऑडियो क्लिप में सुनाई दे रही आवाज का मिलान पुलिस रिकॉर्ड में मौजूद एक आरोपी के वॉयस सैंपल से कर रही हैं। इसके जरिए यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि धमकी देने वाला व्यक्ति वास्तव में किसी आपराधिक गिरोह से जुड़ा है या उसने डर पैदा करने के लिए गैंग के नाम का इस्तेमाल किया है।

गौरतलब है कि हाल ही में अभिनेता तुषार कपूर को भी इसी तरह का धमकी भरा ऑडियो मैसेज मिला था। वहीं, टाइगर श्रॉफ पर जुहू में हुई फायरिंग की घटना के बाद फिल्मी सितारों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। इस मामले में 13 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

मुंबई में पटाखों की बिक्री पर पुलिस का शिकंजा

बिना लाइसेंस भंडारण और सार्वजनिक प्रदर्शन पर प्रतिबंध, 3 नवंबर से 2 दिसंबर तक लागू रहेगा

मुंबई, यशभारत। दिवाली और आगामी त्योहारों के मद्देनजर मुंबई पुलिस ने पटाखों की बिक्री और भंडारण को लेकर सख्त रुख अपनाया है। पुलिस उपायुक्त (ऑपरेशंस) एवं कार्यकारी मजिस्ट्रेट अकबर पठान ने आदेश जारी कर बृहन्मुंबई क्षेत्र में बिना वैध लाइसेंस के पटाखे बेचने, रखने, प्रदर्शित करने और बिक्री के उद्देश्य से परिवहन करने पर प्रतिबंध लगा दिया है।



महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम, 1951 के तहत जारी यह आदेश 3 नवंबर से 2 दिसंबर, 2026 तक प्रभावी रहेगा। इसके अनुसार सार्वजनिक स्थानों पर कोई भी व्यक्ति अधिकृत पुलिस अधिकारी से लाइसेंस प्राप्त किए बिना पटाखों की बिक्री, भंडारण, प्रदर्शन या परिवहन नहीं कर सकेगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस को सार्वजनिक स्थानों पर आदेश की प्रतियां लगाने और लाउडस्पीकर के माध्यम से लोगों को इसकी जानकारी देने के निर्देश भी दिए गए हैं।

गौरतलब है कि बॉम्बे हाई कोर्ट ने भी ध्वनि और वायु प्रदूषण को ध्यान में रखते हुए दिवाली सहित अन्य त्योहारों के दौरान महाराष्ट्र में सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर पटाखे फोड़ने पर रोक लगाने के निर्देश दिए हैं। अदालत ने आदेश का पालन सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी प्रशासन को सौंपी है।

टाइगर श्रॉफ फायरिंग में विदेशी फंडिंग का खुलासा

13वीं आरोपी सुनेहा गिरफ्तार, क्रिप्टो वॉलेट से भारत में शूटरों को भुगतान

जय सिंह, यशभारत। अभिनेता टाइगर श्रॉफ के घर पर हुई फायरिंग मामले की जांच में बिश्नोई गैंग के आर्थिक नेटवर्क का बड़ा खुलासा हुआ है। क्राइम ब्रांच के मुताबिक, रंगदारी से वसूले गए करीब 47 लाख रुपये क्रिप्टो वॉलेट के जरिए विदेश से भारत भेजे गए। इसी रकम से शूटरों, हथियारों, बाइक और उनके ठहरने की व्यवस्था का खर्च उठाया गया।

जांच में सामने आया है कि साजिश के कथित मास्टरमाइंड अनिल पंडित के भाई अभिषेक पंडित के करनाल स्थित एसबीआई खाते में विदेश से



रकम पहुंची थी। इस खाते से गिरफ्तार आरोपियों को भुगतान किया गया। अभिषेक की पत्नी सुनेहा पंडित पर भी अलग-अलग आरोपियों के खातों में पैसे ट्रांसफर करने का आरोप है।

पुलिस के अनुसार, सुनेहा ने रितिक के खाते में 57 हजार, शूटर फूल सिंह और रेहान के ठहरने वाले लॉज में 5 हजार तथा अमर के खाते में 50 हजार रुपये भेजे थे। डिजिटल लेन-देन छिपाने के लिए कंबोडिया और डेनमार्क के वीपीएन इस्तेमाल किए जाने की जानकारी भी मिली है।

सुनेहा इस मामले में 13वीं गिरफ्तार आरोपी है। अदालत ने उसे 16 नवंबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है। अब क्राइम ब्रांच विदेश से आए धन और क्रिप्टो वॉलेट के जरिए संचालित पूरे नेटवर्क की पड़ताल कर रही है।

दिवाली से पहले राज ठाकरे का बड़ा फैसला

इस साल शिवाजी पार्क में नहीं होगा दीपोत्सव, बोले- अपने लोग सूखे की आग में झुलस रहे हैं तो इस तरह उत्सव मनाना उचित नहीं



मुंबई, यशभारत। महाराष्ट्र में भीषण सूखे की स्थिति को देखते हुए महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) अध्यक्ष राज ठाकरे ने इस साल शिवाजी पार्क में आयोजित होने वाला भव्य दीपोत्सव रद्द करने का फैसला किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर नागरिकों से दिवाली सादगी से मनाने और आतिशबाजी से बचने की अपील की है।

राज ठाकरे ने कहा, 'जब हमारे अपने लोग सूखे की आग में झुलस रहे हैं, तब इस तरह उत्सव मनाना मन को उचित नहीं लगता।' उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र इस समय बेहद कठिन दौर से गुजर रहा है। ग्रामीण इलाकों में पानी का गंभीर संकट है और मुख्यमंत्री भी 1972 से अधिक भीषण सूखे की आशंका जता चुके हैं। ऐसे में हमें सोचना चाहिए कि सूखे से प्रभावित भाई-बहनों और उनके बच्चों पर क्या बीत रही होगी।

उन्होंने कहा, 'हमें काली दिवाली नहीं मनानी है, लेकिन अपने उत्साह पर नियंत्रण रखना जरूरी है।' राज ठाकरे ने नागरिकों से घरों में कंदील लगाने और दिवाली का फराल बांटने की अपील की, लेकिन भव्य रोशनी और पटाखों से बचने को कहा। उन्होंने उम्मीद जताई कि अगले साल परिस्थितियां सामान्य होंगी और शिवाजी पार्क में फिर पूरे उत्साह के साथ दीपोत्सव मनाया जाएगा।

किसानों की दिवाली काली नहीं होने देंगे -एकनाथ शिंदे

सत्ता परिवर्तन के नारे लगाने वालों को जनता ने तीन बार नकारा



मुंबई, यशभारत। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने विपक्ष पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि सत्ता परिवर्तन (रेजिम चेंज) के नारे लगाने वालों को जनता ने लगातार तीन बार नकार दिया है। विरोधियों को जनता ने चुनावों में हार की हैट्रिक दिखाई है। उन्होंने कहा कि केवल सत्ता बदलने की बातें करने से कुछ हासिल नहीं होगा, जनता का विश्वास जीतना जरूरी है। शिंदे ने कहा कि विपक्ष राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप में व्यस्त है, जबकि महायुति सरकार किसानों की समस्याओं को दूर करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। महाराष्ट्र के किसान प्राकृतिक आपदा और फसलों के नुकसान के कारण मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं। ऐसे समय में सरकार उन्हें अकेला नहीं छोड़ेगी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसानों की दिवाली काली नहीं होने दी जाएगी। किसानों को आर्थिक संकट से उबारने के लिए सरकार हरसंभव सहायता उपलब्ध कराएगी। राहत और मदद पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है।

शिंदे ने विपक्ष को निशाने पर लेते हुए कहा कि किसानों के दुख और संकट पर राजनीति करने के बजाय विपक्ष को उनके हितों के लिए काम करना चाहिए। उन्होंने भरोसा दिलाया कि महायुति सरकार किसानों के साथ मजबूती से खड़ी है और उनके जीवन में खुशहाली लाने के लिए प्रतिबद्ध है।

दिवाली से पहले मेट्रो-3 की बढ़ी रफ्तार

रोजाना 46 अतिरिक्त फेरे शुरू, पीक आवर्स में हर चार मिनट पर मिलेगी ट्रेन



मुंबई, यशभारत। दिवाली से पहले मुंबईकरों को भूमिगत मेट्रो-3 की बड़ी सौगात मिली है। यात्रियों की बढ़ती संख्या और व्यस्त समय में ट्रेनों में होने वाली भीड़ को देखते हुए मेट्रो प्रशासन ने दैनिक फेरों में 46 की बढ़ोतरी की है। अब आरे से कफ परेड तक प्रतिदिन 291 के बजाय 337 मेट्रो सेवाएं संचालित होंगी। इस फैसले से नौकरीपेशा लोगों, विद्यार्थियों और नियमित यात्रियों को राहत मिलने की उम्मीद है। नई व्यवस्था के तहत सुबह और शाम के व्यस्त समय में यात्रियों को लगभग हर चार मिनट में मेट्रो उपलब्ध होगी। इससे स्टेशनों के प्लेटफॉर्म पर भीड़ कम होने के साथ यात्रियों का इंतजार भी घटेगा।

खासकर कार्यालय आने-जाने वाले यात्रियों को इसका सीधा लाभ मिलेगा। मेट्रो प्रशासन ने बांद्रा स्टेशन पर पुरानी समय-सारणी को फिर से लागू करने का निर्णय लिया है। इससे यात्रियों को अपनी यात्रा की योजना बनाने में आसानी होगी। मेट्रो-3 के पूरे गलियारे पर लगातार बढ़ रही यात्रियों की संख्या को देखते हुए फेरों में यह बढ़ोतरी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। दिवाली से पहले लिए गए इस फैसले से मुंबई की भूमिगत मेट्रो सेवा अधिक सुविधाजनक और सुगम होने की उम्मीद है।

जिन्ना की राह पर चल रहे हैं राहुल गांधी -मंगल प्रभात लोढ़ा

बोले- विदेशी ताकतें कर रही हैं मदद



मुंबई, यशभारत। महाराष्ट्र सरकार के मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोलते हुए उनकी तुलना मोहम्मद अली जिन्ना से की है। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी देश में अराजकता फैलाने और संवैधानिक व्यवस्था को कमजोर करने का प्रयास कर रहे हैं। लोढ़ा ने दावा किया कि कुछ विदेशी ताकतें भी इस काम में उनकी मदद कर रही हैं।

चुनाव आयोग के खिलाफ राहुल गांधी के विरोध प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया देते हुए लोढ़ा ने कहा, 'राहुल गांधी वही कर रहे हैं, जो 1945-47 के दौरान जिन्ना ने किया था। देश में अराजकता फैलाने, संविधान को तोड़ने और कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश हो रही है।' उन्होंने लोगों से ऐसी कथित साजिश को समय रहते समझने की अपील की।

लोढ़ा ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का बचाव करते हुए कहा कि वे संवैधानिक पद पर हैं और ऐसे पदों एवं संस्थाओं की सुरक्षा करना सरकार की जिम्मेदारी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का समर्थन करते हुए उन्होंने कहा कि 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करने के लिए सरकार काम कर रही है। उनके अनुसार 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं और देश की अर्थव्यवस्था तथा विदेश नीति मजबूत हुई है।

कुंभ मेले की हर जानकारी अब एक क्लिक पर

कुंभ प्राधिकरण ने लॉन्च की आधिकारिक वेबसाइट, स्नान पर्व से लेकर आवास और सुरक्षा तक का मिलेगा ब्योरा

नासिक, यशभारत। सिंहस्थ कुंभ मेले की तैयारियों को गति देने के साथ श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए नासिक-त्र्यंबकेश्वर कुंभ मेला प्राधिकरण ने आधिकारिक वेबसाइट शुरू की है। अब देशभर से आने वाले श्रद्धालुओं को कुंभ मेले से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां एक ही मंच पर उपलब्ध होंगी। 31 अक्टूबर को ध्वजारोहण समारोह के साथ कुंभ पर्व की तैयारियों का औपचारिक शुभारंभ किया गया था।

वेबसाइट पर शाही स्नान की तारीखों और समय के साथ प्रमुख धार्मिक स्थलों, मंदिरों, घाटों और अखाड़ों की जानकारी मिलेगी।



श्रद्धालु नाशिक और त्र्यंबकेश्वर पहुंचने के लिए हवाई, रेल और सड़क मार्गों से जुड़ी जानकारी भी हासिल कर सकेंगे।

इसके अलावा पेयजल, शौचालय, चिकित्सा केंद्र, अस्पताल, आवास, वाहन पार्किंग और सहायता केंद्रों का ब्योरा चरणबद्ध तरीके से उपलब्ध कराया जाएगा। आपातकालीन संपर्क नंबर और सुरक्षा संबंधी दिशा-निर्देश भी वेबसाइट पर मिलेंगे।

प्राधिकरण ने सरकारी विभागों, स्थानीय निकायों, धार्मिक संस्थाओं और मीडिया से वेबसाइट का व्यापक प्रचार करने की अपील की है, ताकि श्रद्धालु समय रहते अपनी यात्रा और ठहरने की योजना बना सकें। वेबसाइट: https://simhasthamahakumbh.maharashtra.gov.in/

मनचाही पोस्टिंग नहीं मिली तो कमिश्नर के बंगले पर चढ़ाई कार

शराब के नशे में कांस्टेबल ने सरकारी आवास के गेट को मारी टक्कर, पुलिस ने हिरासत में लिया

पुणे, यशभारत। मनचाही जगह पर पोस्टिंग नहीं मिलने से नाराज एक कांस्टेबल ने कथित तौर पर शराब के नशे में पुणे पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार के सरकारी बंगले के गेट पर कार चढ़ा दी। छावनी इलाके में हुई इस घटना के बाद पुलिस ने आरोपी कांस्टेबल को हिरासत में ले लिया। घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। टक्कर के समय कांस्टेबल कार में अकेला था।

पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार ने बताया



कि घटना के समय कर्मचारी शराब के नशे में था। उसका अनुशासनात्मक मामलों में पहले भी रिकॉर्ड रहा है और वह पूर्व में कई अपराधों में शामिल रहा है। कांस्टेबल को 2025 में निलंबित किया गया था, जबकि 2026 में उसे दोबारा बहाल कर दिया गया था।

पुलिस के अनुसार, आरोपी मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से भी जूझ रहा है। हालांकि, घटना के पीछे की वजह आधिकारिक तौर पर स्पष्ट नहीं की गई है। पुलिस हलकों में चर्चा है कि मनचाही जगह पर तबादला नहीं होने से वह नाराज था। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

दीपावली पर नागपुर-मुंबई के बीच चलेंगी 12 विशेष ट्रेनें

मध्य रेल ने की घोषणा, 4 नवंबर से आरक्षण शुरू



मुंबई, यशभारत। दीपावली के त्योहार पर यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए मध्य रेल ने नागपुर और मुंबई के बीच 12 अतिरिक्त विशेष ट्रेन सेवाएं चलाने की घोषणा की है। नागपुर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस (एलटीटी) और छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी)-नागपुर के बीच इन ट्रेनों का परिचालन किया जाएगा। इससे त्योहार के दौरान यात्रियों को अतिरिक्त यात्रा विकल्प मिलेंगे।

नागपुर-एलटीटी के बीच 8 सेवाएं- ट्रेन संख्या 01083 एलटीटी-नागपुर विशेष 6, 8, 11 और 13 नवंबर को शाम 5.05 बजे रवाना होकर अगले दिन सुबह 7 बजे नागपुर पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 01084 नागपुर-एलटीटी विशेष 5, 7, 10 और 12 नवंबर को दोपहर 1.30 बजे रवाना होकर अगले दिन सुबह 6.15 बजे पहुंचेगी। इन ट्रेनों का ठहराव ठाणे, कल्याण, इगतपुरी, नासिक रोड, जलगांव, भुसावल, अकोला, बडनेरा और वर्धा सहित प्रमुख स्टेशनों पर होगा।

सीएसएमटी-नागपुर के बीच 4 सेवाएं- ट्रेन संख्या 01085 सीएसएमटी-नागपुर विशेष 7 और 9 नवंबर को दोपहर 3.25 बजे रवाना होगी। वापसी में ट्रेन संख्या 01086 नागपुर-सीएसएमटी विशेष 8 और 10 नवंबर को दोपहर 1.30 बजे रवाना होगी। इनका ठहराव दादर, ठाणे और कल्याण सहित प्रमुख स्टेशनों पर होगा। मध्य रेल के अनुसार, इन ट्रेनों का आरक्षण 4 नवंबर से यात्री आरक्षण केंद्रों और आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर शुरू होगा। अनारक्षित टिकट यूटीएस प्रणाली और रेलवन ऐप से बुक किए जा सकेंगे।

महाराष्ट्र में खुले खाद्य तेल की बिक्री पर एक साल की छूट

फडणवीस के निर्देश पर बावनकुले ने लिया फैसला, छोटे दुकानदारों और ग्राहकों को राहत

मुंबई, यश भारत। महाराष्ट्र में खुले खाद्य तेल की बिक्री पर लगी रोक से छोटे व्यापारियों को फिलहाल राहत मिल गई है। राज्य सरकार ने खुले खाद्य तेल की बिक्री पर एक साल की छूट जारी रखने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के निर्देश पर राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने यह निर्णय लिया। नई नीति और बिक्री की कार्यप्रणाली निर्धारित होने तक यह छूट जारी रहेगी।

दिवाली के दौरान खाद्य तेल की बढ़ती मांग को देखते हुए सरकार के इस फैसले से पारंपरिक तेल कारोबारियों, छोटे दुकानदारों और ग्राहकों को राहत मिलेगी। इस संबंध में मंत्रालय में बावनकुले की अध्यक्षता में बैठक हुई। इसमें खाद्य एवं औषधि प्रशासन मंत्री नरहरि झिरवाल सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

बावनकुले ने कहा कि खाद्य तेल में मिलावट रोकना और उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण तेल उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। हालांकि, वर्षों से पारंपरिक तरीके से



कारोबार कर रहे छोटे व्यापारियों की आजीविका का भी ध्यान रखना जरूरी है। उन्होंने नई नीति तैयार करने के लिए व्यापारी संगठनों, खाद्य एवं औषधि प्रशासन और अन्य संबंधित पक्षों को शामिल करते हुए सर्वसमावेशी समिति गठित करने के निर्देश दिए। समिति की सिफारिशों के आधार पर भविष्य की व्यवस्था तय की जाएगी।

संपादकीय

आरोपों की राजनीति बनाम जमीनी हकीकत

वोट चोरी के आरोपों से कितना बदल पाएगा देश का सियासी मिजाज?

भारतीय राजनीति इन दिनों आरोप-प्रत्यारोप के एक ऐसे दौर से गुजर रही है, जहां लोकतंत्र, चुनावी पारदर्शिता और संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता राजनीतिक संघर्ष के केंद्र में आ गई है। दिल्ली के रामलीला मैदान में विपक्ष के 21 राजनीतिक दलों की भागीदारी वाली वोट चोरी रैली के बाद सियासी माहौल और गरमा गया है। विपक्ष इसे लोकतंत्र बचाने की लड़ाई बता रहा है, तो सत्तापक्ष इन आरोपों को राजनीतिक हताशा और जनता के जनादेश को नकारने की कोशिश के रूप में देख रहा है। रैली की सफलता और उसमें जुटी भीड़ को लेकर भले ही दोनों पक्ष अपने-अपने दावे कर रहे हों, लेकिन इस पूरे घटना म ने एक बड़ा सवाल जरूर खड़ा किया है कि क्या चुनावी प्र िया वास्तव में संदेह के घेरे में है या फिर लोकतांत्रिक व्यवस्था से जुड़े मुद्दों को राजनीतिक लड़ाई का हथियार बनाया जा रहा है?कांग्रेस सहित विपक्षी दलों के नेता, विशेषकर राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे, मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों को लेकर चुनाव आयोग पर लगातार सवाल उठा रहे हैं। विपक्ष का दावा है कि मतदाता सूचियों से करोड़ों नाम हटाए गए और इसका चुनावी परिणामों पर असर पड़ा। उसका तर्क है कि जब जीत और हार का अंतर कई सीटों पर बेहद कम था, तब मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर हुई कथित कटौती को सामान्य प्रशासनिक प्र िया मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, लेकिन इस पूरे आरोप की पड़ताल करते समय कुछ बुनियादी सवालों का जवाब भी जरूरी है। यदि विपक्ष 2024 के लोकसभा चुनाव को व्यापक स्तर पर अवैध और धांधलीपूर्ण मानता है, तो क्या उस चुनाव से निर्वाचित केवल भाजपा के सांसदों का जनादेश ही संदिग्ध होगा? क्या विपक्ष के 99 सांसदों और स्वयं नेता प्रतिपक्ष का निर्वाचन भी उसी कसौटी पर नहीं आएगा? आखिर जिस चुनावी प्र िया पर सवाल उठाए जा रहे हैं, उसी प्र िया से विपक्ष को भी संसद में प्रतिनिधित्व मिला है। ऐसे में आरोपों की गंभीरता के साथ उनके तार्किक आधार को भी स्पष्ट करना आवश्यक है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि चुनाव में भाजपा को लगभग 38 प्रतिशत मत मिले, जबकि कांग्रेस का मत प्रतिशत करीब 21 प्रतिशत रहा। हालांकि, मत प्रतिशत अपने आप में चुनावी प्र िया की निष्पक्षता का प्रमाण नहीं हो सकता, लेकिन जनादेश का आकलन करते समय इसे भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। चुनावी अनियमितताओं के आरोपों की जांच तथ्यों और प्रमाणों के आधार पर होनी चाहिए, न कि केवल राजनीतिक दावों के आधार पर। दूसरी ओर, मतदाता सूचियों को दुरुस्त करने के लिए चल रही एसआईआर जैसी प्र िया को भी केवल राजनीतिक चश्मे से देखना उचित नहीं होगा। मतदाता सूची में मृत व्यक्ति यों के नाम, दोहरे पंजीकरण और स्थान परिवर्तन के कारण मौजूद त्रुटियों को दूर करना किसी भी स्वस्थ लोकतंत्र के लिए जरूरी है। लेकिन इसके साथ यह सुनिश्चित करना भी चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है कि किसी भी वास्तविक मतदाता का नाम बिना उचित प्र िया और सूचना के सूची से बाहर न हो। सुधार की प्र िया और मताधिकार की सुरक्षा, दोनों एक-दूसरे के पूरक होने चाहिए। यहां चुनाव आयोग की जवाबदेही भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। आयोग एक संवैधानिक संस्था है और उसकी निष्पक्षता पर जनता का भरोसा लोकतंत्र की बुनियादी शर्त है। इसलिए विपक्ष के सवालों को केवल राजनीतिक बयानबाजी कहकर खारिज करना भी उचित नहीं होगा। यदि किसी स्तर पर गड़बड़ी हुई है तो उसका पारदर्शी तरीके से जवाब सामने आना चाहिए। लोकतंत्र में सवाल पूछने का अधिकार विपक्ष को है और उन सवालों का तथ्यात्मक जवाब देना संस्थाओं की जिम्मेदारी है। हालांकि, इस पूरे विवाद का एक दूसरा पहलू भी है। क्या वोट चोरी का मुद्दा आम नागरिक की रोजमर्रा की चिंता बन पाया है? महंगाई, बेरोजगारी, सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य और स्थानीय अव्यवस्थाओं से जूझ रहे आम आदमी के लिए चुनावी प्र िया का सवाल निश्चित रूप से महत्वपूर्ण है, लेकिन क्या यह उसकी प्राथमिक चिंताओं में शामिल हो पाया है? विपक्ष की लगातार कोशिशों के बावजूद इस मुद्दे को लेकर देशव्यापी जनभावना कितनी मजबूत हुई है, इसका आकलन केवल रैलियों और राजनीतिक भाषणों से नहीं किया जा सकता। दरअसल, भारतीय राजनीति में अब आरोपों की विश्वसनीयता का फैसला केवल मंचों से नहीं, बल्कि जनता के बीच उनके प्रभाव से भी होगा। विपक्ष को अपने आरोपों के समर्थन में ठोस प्रमाण और तथ्य प्रस्तुत करने होंगे, वहीं सत्तापक्ष और चुनाव आयोग को भी पारदर्शिता के साथ संदेह दूर करने होंगे। लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने या हारने का नाम नहीं है। उसकी असली ताकत निष्पक्ष चुनाव, मजबूत संस्थाओं और जनता के अटूट विश्वास में निहित है। इसलिए सवाल यह नहीं कि वोट चोरी का आरोप कौन लगा रहा है और उसका राजनीतिक लाभ किसे मिलेगा, बल्कि असली सवाल यह है कि क्या देश की चुनावी व्यवस्था पर उठ रहे सवालों का विश्वसनीय समाधान सामने आ रहा है? आखिर लोकतंत्र में आरोपों से राजनीति तो गर्म हो सकती है, लेकिन जनता का भरोसा केवल तथ्यों, पारदर्शिता और जवाबदेही से ही कायम रह सकता है।

कड़वे वचन



जीवन का यहनियम याद रखो। जो आप देने वाले हैं वह आपके पास लौटके आने वाला है। कई गुना बढ़कर आने वाला है। हर किसान यह नियम जानता है, मानता है और इस पर काम करता है। वह खेत में अच्छे व बेहतरीन बीज डालता है और फसल आने का इंतजार करता है। किसान यह जानता है मगर अफसोस है कि इंसान यह नहीं जानता। दिया कभी बेकार नहीं जाता । याद रखो दे जाना ही ल जाने का मार्ग है।

आज का राशिफल



ज्योतिषाचार्य पंडित लोकेश व्यास

पंचांगः-5 नवम्बर, 2026
दिन-गुरुवार, अश्विन शुक्ल 10
विक्रम संवत 2083

मेष चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, आ
दिन सामान्य रहने वाला है किसी की मदद करने से खुशी मिलेगी

वृष इ, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो
किसी विशेष कार्य को करने में दिन व्यतीत होगा लोगों की प्रशंसा मिल सकती है

मिथुन का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह
आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी दिन खुशनुमा रहने वाला है

कर्क ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो
मानसिक उलझनें कम हो सकती हैं खर्चों की अधिकता बनी रहेगी

सिंह मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे
दिन अनुकूल रहने वाला है माता-पिता का आशीर्वाद लेकर कार्य करें

कन्या ढो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो
धन लाभ होने के संकेत मिल रहे हैं परिवार के साथ समय व्यतीत कर सकते हैं

तुला रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते
दिन उत्तम रहने वाला है सामाजिक कार्यों में गतिविधियां बढ़ेगी

वृश्चिक ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे
स्वास्थ्य में पहले से अब सुधार होगा योग प्राणायाम अवश्य करें

धनु ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे
घर में शुभ मांगलिक कार्य हो सकते हैं मन प्रफुल्लित रहेगा

मकर भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी
साझेदारी के काम को सोच समझ कर आगे बढ़ाएं क्रोध में नियंत्रण रखें

कुंभ गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा
खर्चों की अधिकता की वजह से आर्थिक स्थिति प्रभावित रहेगी

मीन दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची
वाणी में नियंत्रण रखकर कार्य करें दिन सामान्य रहने वाला है

नदियों की गाद से बनेंगे राष्ट्रीय राजमार्ग, बिहार के विकास को मिलेगी नई गति

'नदी संजीवनी' पहल से बाढ़ नियंत्रण, जलाशयों के पुनर्जीवन और सड़क निर्माण को जोड़ने की ऐतिहासिक पहल

बिहार की नदियों में जमा गाद अब राज्य के लिए केवल बाढ़ और जलजमाव की समस्या नहीं रहेगी,बल्कि विकास का नया संसाधन बनने जा रही है। नदियों और जलाशयों से वैज्ञानिक तरीके से निकाली गई उपयुक्त गाद का उपयोग राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण में किया जाएगा। इस उद्देश्य से 3 नवंबर 2026 को नई दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय और बिहार सरकार के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की उपस्थिति में हुई यह पहल 'नदी संजीवनी' के माध्यम से जल प्रबंधन और आधारभूत संरचना के विकास को एक साथ जोड़ती है। इसका लक्ष्य नदियों की जलवहन क्षमता में सुधार, बाढ़ के जोखिम को कम करने और निर्माण कार्यों के लिए स्थानीय स्तर पर उपलब्ध उपयुक्त सामग्री का उपयोग करना है।बिहार जैसे बाढ़ प्रभावित राज्य के लिए इस समझौते का विशेष महत्त्व है। राज्य का बड़ा भूभाग गंगा के मैदानी क्षेत्र में स्थित है। गंगा के साथ गंडक, कोसी, बागमती, कमला-बालन, महानंदा, सोन और पुनपुन जैसी नदियाँ बिहार की जीवनरेखा हैं। नेपाल से आने वाली नदियों में वर्षा के मौसम में जलस्तर बढ़ने और उनके साथ बड़ी मात्रा में गाद आने से राज्य के अनेक जिलों में बाढ़ और जलजमाव की स्थिति उत्पन्न होती है। नदियों के तल में लगातार जमा होती गाद जलप्रवाह और जलधारण क्षमता को प्रभावित करती है। बिहार में 50 हजार से अधिक जल निकायों की मौजूदगी इस समस्या के व्यापक स्वरूप को दर्शाती है। ऐसे में वैज्ञानिक तरीके से गाद निकालने और उसका उपयोगी पुनः इस्तेमाल करने की पहल जल संसाधनों के बेहतर प्रबंधन की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम है।

इस समझौते की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें गाद को अपशिष्ट के बजाय निर्माण कार्य में उपयोगी संसाधन के रूप में देखा गया है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के आकलन के अनुसार,बिहार में निर्माणाधीन 16 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं में नदियों से निकाली गई लगभग 243 लाख घन मीटर गाद का उपयोग किया जाएगा। भविष्य की 27 परियोजनाओं के लिए लगभग 835 लाख घन मीटर गाद के उपयोग का प्रस्ताव है। यह सामग्री तकनीकी परीक्षण और निर्धारित गुणवत्ता मानकों पर खरी उतरने के बाद ही सड़क निर्माण में इस्तेमाल की जाएगी। इससे सड़क निर्माण के लिए मिट्टी की उपलब्धता बढ़ेगी और प्राकृतिक ऊपरी मिट्टी के अनावश्यक दोहन को सीमित करने में मदद मिलेगी।बिहार में इस समय लगभग 1,561 किलोमीटर लंबाई की 39 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएँ निर्माणाधीन हैं, जिनकी कुल लागत करीब 58,340 करोड़ रुपये है। इसके अतिरिक्त लगभग 1,982 किलोमीटर लंबाई की 11 नई परियोजनाएँ प्रस्तावित हैं, जिनकी अनुमानित लागत करीब 75,200 करोड़ रुपये है। इन परियोजनाओं के लिए बड़े पैमाने पर निर्माण सामग्री की आवश्यकता होगी। नदियों और जलाशयों से वैज्ञानिक तरीके से निकाली गई उपयुक्त गाद इस आवश्यकता को पूरा करने में सहायक हो सकती है। इस व्यवस्था से एक ओर जल निकायों की सफाई और पुनर्जीवन को गति मिलेगी, वहीं दूसरी ओर राजमार्ग निर्माण के लिए स्थानीय संसाधनों का बेहतर उपयोग संभव होगा।केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी लंबे समय से बिहार में बाढ़ की समस्या के स्थायी समाधान के लिए व्यापक जल प्रबंधन, नदियों की ड्रेजिंग, तट संरक्षण और जल ग्रिड की अवधारणा पर जोर देते रहे हैं। पटना में आयोजित बिहार निवेशक सम्मेलन के दौरान उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग और बिजली ग्रिड की तर्ज पर जल ग्रिड विकसित करने का विचार रखा था। उनका कहना था कि एक नदी बेसिन में उपलब्ध अतिरिक्त पानी को दूसरे बेसिन तक पहुँचाने की व्यवस्था से जल संसाधनों का बेहतर उपयोग किया जा सकता है। उन्होंने नदियों से गाद निकालकर उसका उपयोग राजमार्ग निर्माण में करने की संभावना भी व्यक्त की थी। अब केंद्र और बिहार सरकार के बीच हुआ यह समझौता उस विचार को संस्थागत रूप देने की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम है।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के अवसर पर बिहार की गाद प्रबंधन नीति को राज्य के लिए दूरगामी महत्त्व का कदम बताया। उन्होंने कहा कि बिहार में नेपाल से आने वाली सात प्रमुख नदियों के कारण बाढ़ की चुनौती गंभीर बनी रहती है। राज्य सरकार ने इस समस्या से निपटने के लिए व्यापक गाद प्रबंधन नीति तैयार की है, ताकि नदियों में जमा गाद को विकास के संसाधन में बदला जा सके। मुख्यमंत्री ने बांका जिले के ओढ़नी बांध का उदाहरण देते हुए बताया कि गाद निकालने के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कराने पर लगभग 350 करोड़ रुपये की आवश्यकता बताई गई थी, जबकि राज्य सरकार की ओर से निविदा आमंत्रित किए जाने पर एक निजी ठेकेदार ने काम करने के बदले सरकार को 60 करोड़ रुपये देने की पेशकश की। इस उदाहरण से स्पष्ट होता है कि वैज्ञानिक और व्यावसायिक दृष्टिकोण अपनाने पर गाद प्रबंधन आर्थिक अवसर भी बन सकता है।मुख्यमंत्री ने गंगा के दोनों किनारों पर बिहार में चार लेन के मार्ग विकसित करने की संभावना पर भी ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने गंगा के जलमार्गों को व्यवस्थित करने और नदी तल से गाद निकालने के माध्यम से बड़े भूभाग को उपयोगी बनाने की संभावना का उल्लेख किया। मुख्यमंत्री की दृष्टि में नदी प्रबंधन को बाढ़ नियंत्रण तक सीमित रखने के बजाय कृषि, परिवहन, औद्योगिक विकास और रोजगार से जोड़ना आवश्यक है। हालाँकि, इस प्रकार की व्यापक परियोजनाओं को आगे बढ़ाने से पहले विस्तृत तकनीकी, पर्यावरणीय और सामाजिक अध्ययन जरूरी होगा, ताकि नदी के प्राकृतिक प्रवाह और पारिस्थितिकी तंत्र पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।इस पहल की सफलता केवल गाद निकालने की मात्रा से नहीं, बल्कि उसकी वैज्ञानिक प्रक्रिया और पर्यावरणीय सुरक्षा से तय होगी। नदियों और जलाशयों की पहचान, गाद की मात्रा का आकलन, उसकी गुणवत्ता की जाँच और उपयोग की उपयुक्तता निर्धारित करना आवश्यक होगा। सड़क निर्माण में इस्तेमाल होने वाली सामग्री को मंत्रालय तथा भारतीय सड़क कांग्रेस के निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुरूप होना चाहिए। नदी के तटों, तटबंधों, पुलों और आसपास की बस्तियों की सुरक्षा का भी ध्यान रखना होगा। गाद की निकासी, ढुलाई और उपयोग की मात्रा का पारदर्शी रिकॉर्ड तथा नियमित निगरानी इस पूरी व्यवस्था को जवाबदेह बनाएगी। बिहार सरकार की गाद प्रबंधन नीति और केंद्र के साथ हुए इस समझौते का वास्तविक लाभ तभी मिलेगा, जब क्रियान्वयन में पर्यावरणीय संतुलन और स्थानीय समुदायों के हितों को प्राथमिकता दी जाएगी।बिहार में सड़क अवसंरचना का विस्तार भी इस पहल को विशेष महत्त्व देता है। वर्ष 2014 के बाद राज्य में राष्ट्रीय राजमार्गों की लंबाई और निवेश में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 2014 के बाद राज्य की प्रमुख नदियों पर 29 नए पुलों के निर्माण की दिशा में भी काम हुआ है। बेहतर सड़क संपर्क से कृषि उत्पादों को बाजार तक पहुँचाने, औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा देने, पर्यटन विकसित करने और रोजगार के अवसर सृजित करने में सहायता मिलती है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने हाल ही में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से लगभग 49,751 करोड़ रुपये की चार प्रमुख सड़क एवं एक्सप्रेस-वे परियोजनाओं को शीघ्र मंजूरी देने का अनुरोध किया था।

(लेखक - विनोद सिंह 'तकियावाला')

दान की महिमा जीवन को महान बनाने का सबसे पवित्र मार्ग है

मनुष्य के जीवन की वास्तविक सार्थकता केवल धन कमाने और सुख-सुविधाओं का संग्रह करने में नहीं, बल्कि अपने अर्जित संसाधनों से दूसरों के जीवन में खुशियां लाने में है। भारतीय संस्कृति और धर्म परंपरा में दान को हमेशा सर्वोच्च स्थान दिया गया है। दान केवल धन या वस्तु देने का नाम नहीं, बल्कि करुणा, उदारता, परोपकार और मानवीय संवेदनाओं की अभिव्यक्ति है। एक प्रसिद्ध लोकोक्ति है- भीख में से भीख दे, तीन लोक जीत ले। इसका भाव यही है कि जिसके पास स्वयं बहुत कम है, वह भी अपनी सामर्थ्य के अनुसार किसी जरूरतमंद की सहायता कर सकता है। दान का मूल्य वस्तु की कीमत से नहीं, बल्कि देने वाले की भावना से निर्धारित होता है।

संतों और महापुरुषों ने कहा है कि धन की तीन गतियां होती हैं- दान, भोग और नाश। जो धन दूसरों के काम आता है, वही धन सार्थक होता है। जो व्यक्ति न स्वयं उसका सदुपयोग करता है और न किसी जरूरतमंद को देता है, उसका धन अंततः नष्ट हो जाता है। इसलिए जीवन में संचय के साथ सदुपयोग और परोपकार का भाव भी आवश्यक है। अनुभव बताता है कि केवल संग्रह करने से मनुष्य को स्थायी संतोष नहीं मिलता, जबकि दूसरों के साथ बांटने से आत्मिक आनंद और समाज में सम्मान प्राप्त होता है। यही कारण है कि भारतीय चिंतन में कहा गया है कि कमाई अपने हाथों से करो और दान हजार हाथों से करो।

प्रकृति भी हमें देने का संदेश देती है। सूर्य बिना किसी भेदभाव के प्रकाश देता है, वायु सभी को जीवन प्रदान करती है और नदियां अपना जल दूसरों के लिए बहाती हैं। वृक्ष स्वयं धूप और वर्षा सहन करके दूसरों को फल, छाया और प्राणवायु देते हैं। प्रकृति का प्रत्येक तत्व हमें सिखाता है कि जीवन का उद्देश्य केवल लेना नहीं, बल्कि देना भी है। मनुष्य प्रकृति से जीवनभर अनेक उपहार प्राप्त करता है। इसलिए उसके प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का एक मार्ग परोपकार और दान भी है। जैसे किसान खेत में बीज डालता है और कुछ समय बाद वही बीज अनेक गुना होकर लौटता है, वैसे ही निस्वार्थ भाव से किया गया दान भी जीवन में सद्भाव और पुण्य का आधार बनता है।

दान करते समय भावना की पवित्रता सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। दान का उद्देश्य किसी पर उपकार जताना, अपना नाम चमकाना अथवा प्रसिद्धि प्राप्त करना नहीं होना चाहिए। वास्तविक दानी वही है जो बिना किसी अपेक्षा के जरूरतमंद की सहायता करे। दान लेने वाले के प्रति सम्मान और विनम्रता का भाव रखना चाहिए। किसी की मजबूरी का प्रदर्शन करना या दान देकर उसका अपमान करना दान की मूल भावना के विपरीत है। सेवा का सच्चा आनंद तभी मिलता है जब देने वाले के मन में अहंकार नहीं, बल्कि करुणा और आत्मीयता हो।

दान के अनेक स्वरूप हैं। ज्ञानदान, अभयदान, वस्त्रदान, औषधदान, आवासदान और आहारदान सभी का अपना महत्व है। इनमें आहारदान को विशेष रूप से महादान माना गया है, क्योंकि भोजन जीवन का आधार है। भूखे व्यक्ति को भोजन कराना केवल उसकी भूख मिटाना नहीं, बल्कि उसे जीवन जीने की शक्ति देना है। धन, वस्त्र और अन्य सुविधाएं बाद में भी प्राप्त हो सकती हैं, लेकिन भूख की पीड़ा तत्काल भोजन मांगती है। इसलिए किसी जरूरतमंद को भोजन कराना मानवीय सेवा का अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य है।

गौतम बुद्ध से जुड़ा एक प्रसंग दान की भावना को सुंदर ढंग से समझाता है। एक दिन कुछ बालक खेल रहे थे। बुद्ध वहां से गुजरे तो एक बालक ने उनसे कहा कि बाबा, दान लो। बुद्ध ने अपनी झोली फैला दी और बालक ने उसमें रेत डाल दी। शिष्य ने आश्चर्य से पूछा कि आपने रेत क्यों स्वीकार की? बुद्ध ने समझाया कि रेत का कोई विशेष मूल्य नहीं, लेकिन बालक के मन में दान करने की भावना जागी है। यदि मैं उसका दान अस्वीकार कर देता तो उसकी उदारता का भाव कमजोर हो सकता था। आज वह रेत दे रहा है, संभव है कि कल अपनी सामर्थ्य के अनुसार भोजन भी दान करे। इस प्रसंग से स्पष्ट होता है कि दान की शुरुआत छोटी भावना से होती है, लेकिन उसका प्रभाव बहुत व्यापक हो सकता है।

जैन धर्म में आहारदान का विशेष आध्यात्मिक महत्व है। श्रावक के बारह व्रतों में अतिथि संविभाग व्रत भी शामिल है। इसका आशय है कि गृहस्थ अपने भोजन में से साधु-संतों और सुपात्रों के लिए भी हिस्सा निकाले। जैन परंपरा में मुनियों को विधिपूर्वक आहारदान देना पुण्यकारी माना गया है। मान्यता है कि सुपात्रदान से कर्मों की निर्जरा होती है और आत्मकल्याण का मार्ग प्रशस्त होता है। भगवान महावीर की शिक्षाओं में त्याग, संयम, अहिंसा और जीवमात्र के प्रति करुणा का जो संदेश मिलता है, उसमें दान की भावना भी महत्वपूर्ण स्थान रखती है। अन्य धर्मों में भी भोजन बांटने की परंपरा रही है। ऋग्वेद में अकेले भोजन करने की प्रवृत्ति को उचित नहीं माना गया है। गीता में भी दूसरों को भोजन कराए बिना केवल अपने लिए भोजन करने वालों के प्रति चेतावनी दी गई है। इससे स्पष्ट होता है कि भोजन बांटना किसी एक धर्म या संप्रदाय तक सीमित नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता का साझा आदर्श है।

आज के समय में जब समाज में आर्थिक असमानता और जरूरतमंदों की समस्याएं दिखाई देती हैं, तब दान की महत्ता और बढ़ जाती है। प्रत्येक परिवार अपनी सामर्थ्य के अनुसार किसी भूखे को भोजन करा सकता है, किसी जरूरतमंद विद्यार्थी की सहायता कर सकता है अथवा किसी असहाय व्यक्ति के लिए उपयोगी वस्तुएं उपलब्ध करा सकता है। दान के लिए धनवान होना आवश्यक नहीं, उदार हृदय होना आवश्यक है।

अंततः जीवन में धन का वास्तविक महत्व उसके संग्रह में नहीं, बल्कि उसके सदुपयोग में है। जो भोजन हम अकेले खा सकते हैं, उसमें से किसी भूखे का हिस्सा निकालना ही सच्ची मानवता है। दान मनुष्य को विनम्र बनाता है, समाज में प्रेम बढ़ाता है और आत्मा को संतोष प्रदान करता है। इसलिए अपनी आय, सामर्थ्य और परिस्थिति के अनुसार दान को जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। विशेषकर आहारदान के माध्यम से किसी की भूख मिटाना सबसे सहज और पुण्यकारी सेवा है। दान से हाथ खाली नहीं होते, बल्कि हृदय समृद्ध होता है। यही दान की महिमा है और यही मानव जीवन का सच्चा कल्याण मार्ग है।

(लेखक- कांतिलाल मांडोत)

युवाओं में जीवन से पलायन की खतरनाक प्रवृत्ति

युवाओं में आत्महत्या (सुसाइड) और जीवन से पलायन करने की बढ़ती प्रवृत्ति आज एक अत्यंत गंभीर और चिंताजनक सामाजिक और मानसिक स्वास्थ्य मुद्दा बन चुकी है। आधुनिक जीवनशैली, अत्यधिक दबाव और सामाजिक बदलावों ने युवाओं को एक ऐसे चौराहे पर खड़ा कर दिया है जहाँ वे कई बार दिशाहीन और असहाय महसूस करने लगते हैं।विश्व स्वास्थ्य संगठन और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के वैश्विक डेटा के अनुसार, पूरी दुनिया में हर साल लगभग 7,20,000 से अधिक लोग आत्महत्या से अपनी जान गंवाते हैं।

दुनिया में हर 40 सेकंड में लगभग एक व्यक्ति आत्महत्या के कारण मर जाता है।

15 से 29 वर्ष के युवाओं के बीच दुनिया भर में मौत का यह चौथा सबसे बड़ा कारण बन चुका है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन का अनुमान है कि हर एक सफल आत्महत्या के पीछे कम से कम 20 या उससे अधिक बार आत्महत्या के प्रयास किए जाते हैं।

दुनिया भर में होने वाली कुल आत्महत्याओं का लगभग 73त्न से 77त्न हिस्सा निम्न और मध्यम आय वाले देशों में होता है, जिसमें भारत भी शामिल है।

भारत सरकार के नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, भारत में हर साल लगभग 1.70 लाख से अधिक लोग आत्महत्या करते हैं।

वर्ष 2024 में भारत में कुल 1,70,746 लोगों ने आत्महत्या की, जबकि 2023 में यह संख्या 1,71,418 थी।

भारत में प्रति 1,00,000 आबादी पर आत्महत्या की दर 12.2 है।

कुल मामलों में पुरुषों की संख्या लगभग 73.5त्न है, जिसमें दिहाड़ी मजदूर और छात्र सबसे संवेदनशील समूहों में शामिल हैं।

महाराष्ट्र, तमिलनाडु और मध्य प्रदेश में देश की कुल आत्महत्याओं के करीब एक-तिहाई मामले दर्ज होते हैं।

अब आपको अक्टूबर माह के अंतिम दिन अख़बार की सुरखी बने सुसाइड मामलों की बानगी से अवगत कराते हैं ताकि आप आत्महत्या की बढ़ती घटनाओं को समझें

पुणे से एक खौफनाक धटना सामने आई 30 अक्टूबर को एक महिला ने अपने 6 साल के बेटे के साथ 18वीं मंजिल से छलांग लगाकर जान दे दी. यह घटना एक हाई-प्रोफाइल सोसायटी में फुटेज में महिला अपने बेटे के साथ 18वीं मंजिल पर जाती दिखाई दे रही है पुलिस आत्महत्या के पीछे के कारणों की जांच कर रही है.मामला पुणे के पिंपरी-चिंचवड़ शहर के थेरगांव वाकड इलाके में सिग्नेचर पार्क नाम की एक हाई-प्रोफाइल सोसायटी का है, यहां 33 साल की एकता भांगड ने अपने 6 साल के बेटे माधव भांगड के साथ इमारत की 18वीं मंजिल से छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली. जानकारी के मुताबिक, एकता भांगड अपने पति मनोज भांगड और बेटे माधव के साथ पिछले कुछ सालों से इस सोसायटी में रह रही थी जानकारी मिलते ही वाकड पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और पंचनामा भरकर आगे की जांच शुरू की. मृतक महिला का परिवार मूल रूप से राजस्थान का रहने वाला है. वे पिछले दो सालों से इस सोसायटी की सातवीं मंजिल पर रह रहे थे. मृतक महिला का पति मनोज भांगड यरवदा स्थित एक आईटी कंपनी में काम करता है। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले से ऐसी हृदयविदारक घटना सामने आई है, जिसने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया है. यहां दो सगी बहनों ने अलग-अलग जगहों पर अपने बच्चों के साथ कुएं में कूदकर जान दे दी. पहली घटना में पति की मौत के सदमे से गुजर रही 8 महीने की गर्भवती महिला ने अपने बेटे के साथ जान दी, जबकि कुछ घंटे बाद उसकी बड़ी बहन ने भी अपने तीन बच्चों के साथ कुएं में छलांग लगा दी. इन घटनाओं में दो बहनों और चार मासूम बच्चों समेत कुल 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि गर्भ में पल रहे शिशु की भी जान चली गई। इसी तरह राजस्थान की राजधानी जयपुर से इस वक्त एक हादसे में पूर्णिमा यूनिवर्सिटी की छठी मंजिल से एक छात्रा कूद गई है. छात्रा के कूदने से यूनिवर्सिटी में हड़कंप मच गया है. प्रशासन ने इलाके को सील कर जांच शुरू कर दी है. इस हादसे के बाद यूनिवर्सिटी को फिलहाल बंद कर दिया है. पूर्णिमा यूनिवर्सिटी से छात्रा से कूदने का एक सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है. इस वीडियो में छात्रा छत की छठी मंजिल पर बिल्कुल किनारे बैठी नजर आ रही है.पूर्णिमा यूनिवर्सिटी की छठी मंजिल से कूदने वाली छात्रा की पहचान यशस्वी रोहिला के रूप में हुई है. एमबीए सेकंड ईयर की स्टूडेंट है. बताया जाता है कि यशस्वी जयपुर के गुर्जर की थ्री इलाके के प्रेम नगर की रहने वाली है. शिवदासपुरा थाना की पुलिस मौके पर जांच में जुटी है.

यह आंकड़े दर्शाते हैं कि मानसिक स्वास्थ्य और आत्महत्या रोकथाम पर वैश्विक और राष्ट्रीय स्तर पर बड़े बदलावों की तत्काल आवश्यकता है।

भारत सरकार देश में आत्महत्या की बढ़ती वारदातों को रोकने और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार के लिए बहु-स्तरीय प्रयास कर रही है। सरकार ने इसके लिए कानूनी बदलाव, डिजिटल तकनीक और जमीनी स्तर पर स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत किया है।

सरकार द्वारा कुछ खास कदम उठाए जा रहे हैं

भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा देश की पहली राष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम रणनीति लागू की गई है।

इसका मुख्य उद्देश्य वर्ष 2030 तक देश में आत्महत्या मृत्यु दर में 10त्न की कमी लाना है।

इसके तहत अगले कुछ वर्षों में सभी शिक्षण संस्थानों में मानसिक कल्याण पाठ्यक्रम को शामिल करने और देश के सभी जिलों में मनोरोग ओपीडी स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है।

दूरदराज के क्षेत्रों तक मुफ्त और गोपनीय मानसिक परामर्श पहुँचाने के लिए सरकार ने डिजिटल तकनीक का बड़े पैमाने पर विस्तार किया हैदेश भर के 1.83 लाख से अधिक आयुष्मान आरोग्य मंदिरों (प्राथमिक स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों) में बुनियादी मानसिक स्वास्थ्य जांच और काउंसलिंग सेवाओं को एकीकृत किया गया है।समाज में मानसिक स्वास्थ्य को लेकर फैले अंधविश्वास, शर्म (स्ह्लद्बद्घद्बड्ड) और रूढ़िवादिता को खत्म करने के लिए सरकार ने सामुदायिक स्तर पर जागरूकता अभियान शुरू किए हैं, ताकि लोग समय रहते मदद मांगने के लिए आगे आ सकें।इन व्यापक सरकारी रणनीतियों में केवल स्वास्थ्य मंत्रालय ही नहीं, बल्कि शिक्षा, कृषि, महिला एवं बाल विकास और सूचना एवं प्रसारण जैसे मंत्रालयों को भी एक साथ जोड़ा गया है ताकि युवाओं, किसानों और हर संवेदनशील वर्ग को सुरक्षा घेरा दिया जा सके।

(लेखक - मनोज कुमार अग्रवाल)

जब बंद एयरपोर्ट को दोबारा चालू करके प्लेन की हुई लैंडिंग

अहमदाबाद के मरीज़ को नया जीवन देने रातभर ग्राउंड पर रहा जबलपुर एयरपोर्ट स्टाफ

जबलपुर।

मानवता की सेवा और कर्तव्यनिष्ठा की कोई समय सीमा नहीं होती, इसे जबलपुर एयरपोर्ट के अधिकारियों और कर्मचारियों ने सोमवार की रात सच साबित कर दिखाया। 'यश भारत' में कल चिकित्सा जगत के योगदान पर विस्तृत खबर प्रकाशित होने के बाद, आज का पूरा फोकस जबलपुर एयरपोर्ट की उस जांबाज टीम पर है, जिसने बंद एयरपोर्ट को आधी रात के बाद दोबारा ऑपरेशनल कर तीन गंभीर मरीजों को नया जीवनदान दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

सोमवार की रात शहर में बने ग्रीन कॉरिडोर के जरिए एक मानव अंग को अहमदाबाद पहुँचाया जाना था। नियम और शेड्यूल के मुताबिक, जबलपुर एयरपोर्ट का सामान्य संचालन रात 8:15 बजे इंडिगो की अंतिम फ्लाइट के प्रस्थान के बाद थम जाता है और रात 9:30 बजे तक एयरपोर्ट पूरी



तरह बंद होकर कर्मचारी अपने घर लौट जाते हैं।

लेकिन, जब रात करीब 10:00 बजे घर लौट रहे कर्मचारियों को अहमदाबाद से चार्टर्ड प्लेन आने और आपातकालीन ग्रीन कॉरिडोर की सूचना मिली, तो बिना एक पल गंवाए प्रशासनिक तत्परता दिखाई गई।

रातभर ऐसे चला आपातकालीन तकनीकी टीमों का असाधारण समन्वय

एक विमान को रात के वक्त सुरक्षित उतारने और उड़ाने के लिए एयर ट्रैफिक कंट्रोल (ATC) से लेकर कई तकनीकी और सुरक्षा प्रणालियों की जरूरत होती है। इस आपात स्थिति में विमानपत्तन निदेशक श्री राजेश कुमार मौर्य और एटीसी प्रभारी श्री नीरज गुडवानी के नेतृत्व में एटीसी टीम, फायर फाइटिंग सिस्टम, रनवे लाइटिंग, ग्राउंड सेफ्टी और सुरक्षा अमले के सभी कर्मचारी पूरी मुस्तैदी से डटे रहे। आधी रात के बाद संसाधनों और कर्मियों को जुटाकर एयरपोर्ट को सुचारू रूप से चलाना और तीन लोगों की जिंदगी बचाने में लॉजिस्टिक सपोर्ट देना जबलपुर एयरपोर्ट की उच्च पेशेवर क्षमता और मानवीय संवेदना का सबसे बड़ा उदाहरण है। जबलपुर के इस गौरवशाली क्षण में एयरपोर्ट परिवार का यह समर्पण हर नागरिक के लिए वंदनीय है।

एयरपोर्ट ऑपरेशन

रात 10:00 बजे: घर जाने की तैयारी कर रहे एयरपोर्ट कर्मियों को आपातकालीन चार्टर और ग्रीन कॉरिडोर की मिली सूचना।

रात 10:30 बजे: विमानपत्तन निदेशक श्री राजेश कुमार मौर्य और एटीसी प्रभारी श्री नीरज गुडवानी के निर्देश पर बंद एयरपोर्ट को दोबारा एक्टिवेट किया गया।

रात 12:30 बजे: अहमदाबाद से विशेष चार्टर्ड प्लेन ने जबलपुर रनवे पर सुरक्षित लैंडिंग की।

भोर 04:30 बजे: आवश्यक प्रक्रिया के बाद प्लेन ने मानव अंगों को लेकर अहमदाबाद के लिए भरी सफल उड़ान।

सुबह 05:00 बजे: पूरी प्रक्रिया के सुरक्षित संपन्न होने तक एयरपोर्ट पर सेवाएं सक्रिय रहीं।

फायर सेफ्टी को लेकर प्रशासन सख्त

नियमों का उल्लंघन करने पर माढ़ोताल की 6 पटाखा दुकानें सील

जबलपुर, यशभारत। त्योहारी सीजन में सुरक्षा नियमों और शर्तों की सरेआम धज्जियां उड़ाने वाले पटाखा कारोबारियों के खिलाफ प्रशासन ने कड़ा रुख अपना लिया है। माढ़ौताल के कठौदा स्थित पटाखा बाजार में फायर सेफ्टी के पर्याप्त इंतजाम न मिलने पर प्रशासनिक टीम ने आधी रात को ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए 6 दुकानों को मौके पर ही सील कर दिया। प्रशासनिक दल को देखकर दुकानदारों में हड़कंप मच गया और विवाद की स्थिति भी बनी, लेकिन मौके पर मौजूद भारी पुलिस बल ने तुरंत मोर्चा संभालकर स्थिति को नियंत्रण में



लिया। SDM मदन रघुवंशी और तहसीलदार रंजना यादव के नेतृत्व में SDOP अंजुल अयंक मिश्रा, नगर निगम के एडिशनल कमिश्नर विद्यानंद बाजपेयी सहित पूरा मैदानी अमला रात 1 बजे तक कार्रवाई में डटा रहा। अधिकारियों ने सख्त हिदायत दी है कि दुकानों के बाहर सामान रखने और सुरक्षा में लापरवाही बरतने पर बख्शा नहीं जाएगा। प्रशासन का यह जांच अभियान अब जिले के अन्य पटाखा बाजारों में भी पूरी सख्ती के साथ जारी रहेगा।

मप्र को लारा परियोजना से मिलेगी 800 मेगावाट किफायती बिजली

एनटीपीसी और एमपीपीएमसीएल के बीच हुआ पीपीए



जबलपुर। मध्यप्रदेश में भविष्य की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने और प्रदेशवासियों को सस्ती एवं निर्बाध बिजली उपलब्ध कराने की दिशा में ऊर्जा विभाग ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, प्रमुख सचिव ऊर्जा मनीष सिंह और ऊर्जा सचिव व एमपी पावर मैननजमेंट कंपनी के प्रबंध संचालक विशेष गढ़पाले की उपस्थिति में छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में स्थित एनटीपीसी की लारा चरण-III (2म800 मेगावाट) परियोजना से विद्युत क्रय के लिए एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड (एमपीपीएमसीएल) और एनटीपीसी के मध्य विद्युत क्रय अनुबंध निष्पादित किया गया। इस अनुबंध के तहत मध्य प्रदेश को लारा परियोजना से 800 मेगावाट बिजली प्राप्त होगी। वर्ष 2031-32 तक इस संयंत्र से मध्य प्रदेश को उचित दरों पर विश्वसनीय बिजली मिलनी शुरू हो जाएगी। अनुबंध के अनुसार लारा-III परियोजना से मध्य प्रदेश को कुल 4.97 रुपये प्रति यूनिट की अनुमानित दर पर बिजली उपलब्ध होगी।ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने इस अनुबंध पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के प्रत्येक उपभोक्ता को गुणवत्तापूर्ण एवं सस्ती बिजली उपलब्ध कराने के लिए संकल्पित है। यह अनुबंध भविष्य में राज्य के कृषि, उद्योग और घरेलू क्षेत्रों की बढ़ती मांग को पूरा करने में मील का पत्थर साबित होगा। कैप्टिव खदान से ईंधन सुरक्षा और कम लागत-लारा परियोजना की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह संयंत्र कोयला खदान के अत्यंत निकट स्थित है और इसमें एनटीपीसी की अपनी कैप्टिव खदान से कोयला प्राप्त होता है। कोयले की सीधी और सुरक्षित उपलब्धता के कारण ढुलाई खर्च में बचत होगी, जिससे बिजली की आपूर्ति पूरी तरह विश्वसनीय और न्यूनतम लागत पर संभव हो सकेगी। इस अवसर पर एनटीपीसी दिल्ली से मुख्य महाप्रबंधक कॉमर्शियल ए.एस. पांडे, महाप्रबंधक संदेश जायसवाल, रायपुर से अतिरिक्त मुख्य महाप्रबंधक कॉमर्शियल भूपेश कुमार और एमपीपीएमसीएल की ओर से मुख्य महाप्रबंधक कॉमर्शियल डॉ. आर.बी. सक्सेना उपस्थित थे।

सिहोरा और पाटन की मिठाई और मावा की दुकानों की जांच.

जबलपुर - त्यौहारों पर उपभोक्ताओं को शुद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थों की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के कलेक?टर अरुण कुमार विश्वकर्मा के निर्देशानुसार चलाये जा रहे जाँच अभियान के तहत राजस्व एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने मंगलवार को सिहोरा और पाटन में खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। राजस्व एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने सिहोरा स्थित विजय स्वीट्स से मिल्क केक, शिवम स्वीट्स से सलोनी और बर्फी तथा बीकानेर स्वीट्स से मावा के नमूने लिए। इसी प्रकार पाटन स्थित बड़ू खोवा से खोवा के 2, बीकानेर स्वीट्स से मिठाई एवं मावा के 4, नेमा स्वीट्स से मिठाई के 2 तथा कृष्णा स्वीट्स से मिठाई के 2 सैंपल लिए गए। सभी सैंपल जांच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, भोपाल भेजे जा रहे हैं। प्रयोगशाला से परीक्षण रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद यदि नमूने खाद्य सुरक्षा एवं मानकों के अनुरूप नहीं पाए जाते हैं, तो खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 तथा संबंधित नियमों के तहत वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

पार्वती कोल को तत्काल चार लाख रूपये की अनुग्रह सहायता राशि स्वीकृत

जबलपुर। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने जनसुनवाई में पहुंची सिहोरा के वार्ड नंबर 01 निवासी आवेदिका पार्वती कोल को उनके पति स्व. कमलेश कोल की 29 जनवरी 2026 को मुहारी डेम में डूबने से हुई अकाल मृत्यु पर तत्काल संज्ञान लेते हुए एसडीएम ग्रामीण को निर्देश दिए कि उन्हें नियमानुसार अनुग्रह सहायता राशि प्रदान की जाए। इस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एसडीएम ग्रामीण ने राजस्व पुस्तक परिपत्र छह-चार के प्रावधानों के तहत मृतक के परिवार को चार लाख रुपये की सहायता राशि स्वीकृत कर दी है, जिससे पीड़ित परिवार को बड़ी राहत मिली है। कलेक्टर विश्वकर्मा ने संबंधित अधिकारी को निर्देश दिये कि अनुग्रह राशि के स्वीकृति पत्र पीड़ित परिवार के घर जाकर प्रदाय करें।

एक्सीडेंट में घायल युवक का कटंगी बायपास स्थित अस्पताल में दो दिनों से चल रहा था इलाज

हेल्थ सिटी हॉस्पिटल पर आरोप मौत के बाद भी करते रहे इलाज

परिजनों का कहना है मौत के बाद भी अस्पताल ने लगा रखा था वेंटिलेटर

जबलपुर,यशभारत। शहर के निजी अस्पतालों में मरीजों के इलाज और उनकी जिंदगी से जुड़े सवाल एक बार फिर खड़े हो गए हैं। माढोताल थाना क्षेत्र स्थित कटंगी बाईपास के हेल्थ सिटी हॉस्पिटल में सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल एक युवक की मौत के बाद परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं। परिजनों का दावा है कि मरीज की मौत होने के बावजूद अस्पताल प्रबंधन ने उसे वेंटिलेटर पर रखकर इलाज जारी रखा और मृत्यु की जानकारी नहीं दी। मामले ने निजी अस्पतालों की कार्यप्रणाली और मरीजों के परिजनों को दी जाने वाली जानकारी पर सवाल खड़े कर दिए हैं।



दूसरे अस्पताल ले जाने पर पता चला कि पहले ही हो गई थी युवक की मौत

जानकारी के मुताबिक, औरिया निवासी भगवत रजक (38) दो नवंबर की शाम सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गया था। परिजन उसे तत्काल कटंगी बाईपास स्थित हेल्थ सिटी हॉस्पिटल लेकर पहुंचे, जहां उसे भर्ती कर उपचार शुरू किया गया। परिजनों का आरोप है कि देर रात भगवत की मौत हो गई थी, लेकिन इसके बावजूद अस्पताल में उसे वेंटिलेटर पर रखकर इलाज जारी रखा गया। परिजनों के अनुसार, तीन नवंबर की दोपहर उन्होंने भगवत को दूसरे अस्पताल ले जाने की बात कहकर हेल्थ सिटी हॉस्पिटल से डिस्चार्ज कराया और उसे एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद भगवत को मृत घोषित कर दिया। इस घटनाक्रम के बाद परिजनों ने हेल्थ सिटी हॉस्पिटल की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि यदि मरीज की मौत पहले ही हो चुकी थी, तो अस्पताल प्रबंधन ने उन्हें इसकी जानकारी क्यों नहीं दी?

महज दो किलोमीटर की दूरी, फिर भी मौत की जानकारी दूसरे अस्पताल में

इस पूरे मामले में सबसे चौंकाने वाला पहलू यह है कि हेल्थ सिटी हॉस्पिटल से जिस निजी अस्पताल में भगवत को ले जाया गया, उसकी दूरी महज दो किलोमीटर बताई जा रही है। परिजनों का कहना है कि इतने कम अंतराल में दूसरे अस्पताल पहुंचने पर मरीज को मृत घोषित किया गया, जबकि हेल्थ सिटी हॉस्पिटल में उसे वेंटिलेटर पर रखकर उपचार जारी होने की बात कही जा रही थी। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि आखिर मरीज की वास्तविक स्थिति क्या थी और परिजनों को उसकी जानकारी कब और किस रूप में दी गई?

अब उठ रहे हैं जवाबदेही के सवाल

भगवत रजक की मौत के बाद सामने आए आरोपों ने अस्पताल प्रबंधन की जवाबदेही को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। आखिर मरीज की स्थिति क्या थी? क्या परिजनों को समय पर उसकी वास्तविक स्थिति की जानकारी दी गई? क्या उपचार के दौरान मरीज की मृत्यु हुई थी या उसे दूसरे अस्पताल ले जाने के समय उसकी हालत गंभीर बनी हुई थी? इन सवालों का जवाब चिकित्सकीय दस्तावेजों, उपचार के रिकॉर्ड और निष्पक्ष जांच से ही सामने आ सकेगा।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट से होगा मौत के समय का खुलासा

मामले में युवक की मौत के सही समय को लेकर स्थिति फिलहाल स्पष्ट नहीं है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही भगवत रजक की मौत के वास्तविक समय और उससे जुड़े महत्वपूर्ण तथ्यों का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस द्वारा अस्पताल में हुए उपचार, चिकित्सकीय दस्तावेजों और परिजनों के आरोपों की पड़ताल की जा रही है। जांच के बाद ही पूरे मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

अस्पताल प्रबंधन की सफाई–दो बार सीपीआर देकर मरीज को किया रिकवर

वहीं, हेल्थ सिटी हॉस्पिटल प्रबंधन ने परिजनों के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि भगवत रजक की हालत बेहद गंभीर थी। उपचार के दौरान उसे दो बार सीपीआर दिया गया, जिसके बाद उसे रिकवर किया गया और इलाज जारी रखा गया। अस्पताल प्रबंधन का दावा है कि मरीज की स्थिति और उपचार की जानकारी परिजनों को भी दी गई थी तथा उसे वेंटिलेटर पर रखा गया था। प्रबंधन के अनुसार, परिजन अपनी जवाबदारी पर मरीज को दूसरे अस्पताल लेकर गए थे, जहां उसकी मौत हुई।

विधानसभा में नोडल अधिकारियों को दिया ई-विधान का प्रशिक्षण

विधानसभा के कामकाज को पेपरलेस बनाने पर जोर

भोपाल, यश भारत।

मध्यप्रदेश विधानसभा में बुधवार को राज्य मंत्रालय के नोडल अधिकारियों के लिए ई-विधान प्रणाली के अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें अधिकारियों को डिजिटल माध्यम से विधानसभा संबंधी कार्यों के निष्पादन की प्रक्रिया और प्रणाली के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों को ई-विधान प्रणाली की कार्यप्रणाली ऑनलाइन प्रक्रियाओं और डिजिटल माध्यम से शासकीय कार्यों के संचालन के बारे में विस्तार से समझाया गया। साथ ही विधानसभा से जुड़े कार्यों को ऑनलाइन संपादित करने की प्रक्रिया से भी अवगत कराया गया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य विधानसभा की कार्यप्रणाली को आधुनिक तकनीक से जोड़ना और कागजी प्रक्रिया को कम करते हुए कामकाज को अधिक सुगम पारदर्शी एवं प्रभावी बनाना है। ई विधान प्रणाली के माध्यम से विधानसभा की विभिन्न प्रक्रियाओं को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर संचालित करने की दिशा में यह पहल महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

नलों में आ रहा नालियों का दूषित पानी, पी रहे लोग, पार्षद धरने पर बैठे

भोपाल ,यश भारत।

वार्ड क्रमांक 4 बरसई में पेयजल व्यवस्था की बदहाली को लेकर मंगलवार को भाजपा पार्षद संजय कुशवाह नगर पालिका परिषद कार्यालय के सामने धरने पर बैठ गए। उन्होंने मुख्य नगर पालिका अधिकारी राजेंद्र सक्सेना को ज्ञापन सौंपकर क्षतिग्रस्त पाइपलाइन बदलने और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने की मांग की। पार्षद ने बताया कि वार्ड में कई वर्षों से पाइपलाइन की समस्या बनी हुई है। कहीं पाइपलाइन फूटी है तो कहीं लाइन ही नहीं है। हालात यह हैं कि नालियों का गंदा पानी पेयजल पाइपलाइन में मिलकर घरों तक पहुंच रहा है। इससे रहवासियों को दूषित



पानी पीने की मजबूरी है। पार्षद ने प्रशासन से तत्काल पाइपलाइन बदलने की मांग की। सीएमओ राजेंद्र सक्सेना ने समस्या के निराकरण का आश्वासन दिया, जिसके बाद धरना समाप्त हुआ।

10 दिन में समाधान नहीं तो आंदोलन-संजय कुशवाह ने चेतावनी दी है कि पाइपलाइन नहीं बदली गई तो वार्डवासियों के साथ तहसील कार्यालय पर उग्र प्रदर्शन करेंगे। साथ ही मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपेंगे।

घरों से निकला कचरा बना मुसीबत, सड़कों पर ढेर

चेतावनी के बाद भी नहीं जागा प्रशासन, सफाई कर्मचारियों की नाराज़गी का खामियाज़ा भुगत रही भोपाल की जनता

भोपाल, यश भारत।

एक तरफ राजधानी के आम लोग प्रकाश पर्व दीपावली के स्वागत और उल्लास के लिए अपने-अपने घरों की गहन साफ-सफाई में जुटे हैं, तो वहीं दूसरी तरफ नगर निगम के सफाई कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल ने पूरे शहर को कचरे के ढेर में तब्दील कर दिया है। स्थिति यह है कि पिछले दो दिनों से लोगों द्वारा घरों की सफाई के दौरान निकाला गया अतिरिक्त कचरा और कबाड़ मुख्य सड़कों, गलियों और चौराहों पर ही पड़ा हुआ है, जिसे उठाने वाला कोई नहीं है।

घरों की सफाई का कचरा और हड़ताल बनी जी का जंजाल- त्योहारी सीजन के मद्देनजर इन दिनों हर घर में विशेष सफाई अभियान चल रहा है। घरों से निकलने वाला पुराना सामान, कचरा और मलबे जैसी चीजें लोग सड़कों के किनारे या कॉलोनियों के बाहर डाल रहे हैं। लेकिन, सफाई कर्मियों के काम पर न होने के कारण यह कचरा सड़कों पर ही सड़ रहा है। न्यू मार्केट, एमपी नगर, पुराने शहर के बाजारों से लेकर आवासीय कॉलोनियों तक हर तरफ कचरे के अंबार और उससे उठने वाली दुर्गंध ने नागरिकों का जीना मुहाल कर दिया है।





सफाई कर्मचारियों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर बीते दिनों जोरदार प्रदर्शन किया था। कर्मचारियों को उम्मीद थी कि इस आंदोलन के बाद शासन या नगर निगम प्रशासन की तरफ से उनकी मांगों पर कोई सकारात्मक पहल होगी। लेकिन, कोई ठोस आश्वासन न मिलने के कारण कर्मचारियों ने काम ठप कर दिया, जिससे अब यह विकट स्थिति उत्पन्न हो गई है। त्योहार की इस व्यस्तता के बीच बाजारों और गलियों में फैली इस गंदगी के कारण संक्रामक बीमारियां फैलने का गंभीर खतरा मंडराने लगा है। त्योहारी उमंग के बीच मक्खियों-मच्छरों के प्रकोप और गंदगी के ढेरों ने बच्चों, बुजुर्गों और आम नागरिकों की सेहत पर बड़ा संकट खड़ा कर दिया है। व्यापारियों और शहरवासियों का कहना है कि जब प्रशासन को यह भली-भांति पता था कि इस सीजन में घरों और बाजारों से सबसे अधिक कचरा निकलता है, तो ऐसे में समय रहते वैकल्पिक व्यवस्था क्यों नहीं की गई? फिलहाल, शहर की जनता की निगाहें एक बार फिर नगर निगम के उच्च अधिकारियों पर टिकी हैं कि वे कब इस गंभीर समस्या का संज्ञान लेते हैं और त्योहारी सीजन में शहर को इस बदहाली से मुक्ति दिलाते हैं।



दोमुंहे बालों से पाना चाहते हैं छुटकारा, तो अप्लाई करें ये केमिकल फ्री हेयर पैक

नई दिल्ली, एजेंसी। दोमुंहे बालों की वजह से न केवल आपके बालों की खूबसूरती पर नेगेटिव असर पड़ता है बल्कि आपकी हेयर ग्रोथ भी रुक जाती है। अगर आप अपने बालों की लंबाई को बढ़ाना चाहते हैं, तो आपके लिए दोमुंहे बालों की समस्या से छुटकारा पाना बेहद जरूरी है। आइए एक ऐसे हेयर पैक की रेसिपी के बारे में जानकारी हासिल करते हैं, जो इस हेयर प्रॉब्लम को दूर करने में कारगर साबित हो सकती है।

कैसे बनाएं हेयर पैक?

घर पर हेयर पैक बनाने के लिए आपको शहद और केले की जरूरत पड़ेगी। सबसे पहले आपको एक कटोरी में एक पके हुए केले के छोटे-छोटे टुकड़े करने हैं। अब आपको इन टुकड़ों को अच्छी तरह से मैश कर लेना है। इसके बाद इसी कटोरी में 2 से 4 स्पून शहद भी निकाल लीजिए। आखिर में आपको इन दोनों नेचुरल चीजों को मिक्स करके एक स्मूद पेस्ट तैयार कर लेना है।

इस्तेमाल करने का तरीका

आइए इस हेयर पैक को हेयर केयर रूटीन में शामिल करने के सही तरीके के बारे में भी जानकारी हासिल कर लेते हैं। आपको इस केमिकल फ्री हेयर पैक को अपने बालों पर अच्छी तरह से अप्लाई कर लेना है। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए लगभग 30 मिनट तक इस पैक को लगाए रखें। आधे घंटे के बाद आप हेयर वॉश कर सकते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि हेयर वॉश के लिए किसी भी माइल्ड शैंपू का इस्तेमाल किया जा सकता है।

बालों के लिए फायदेमंद

इस हेयर पैक की मदद से आपको दोमुंहे बालों की समस्या से छुटकारा मिल सकता है। इसके अलावा केले और शहद में पाए जाने वाले तत्व आपकी हेयर ग्रोथ को बूस्ट करने में भी कारगर साबित हो सकते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि रूखे और बेजान बालों को मुलायम और चमकदार बनाने के लिए भी इस हेयर पैक को हेयर केयर रूटीन का हिस्सा बनाया जा सकता है।

हल्के पड़ने लग जाएंगे दाग-धब्बों के निशान, बस लगा लीजिए ये केमिकल फ्री फेस पैक



नई दिल्ली, एजेंसी। क्या आप भी फ्लॉलेस स्किन पाना चाहते हैं? अगर हां, तो यकीन मानिए इसके लिए आपको पार्लर में जाकर महंगे-महंगे ब्यूटी ट्रीटमेंट्स पर ज्यादा पैसे खर्च करने की जरूरत नहीं है। आप घर बैठे भी बेदाग त्वचा पा सकते हैं। दाग-धब्बों की समस्या से छुटकारा पाने के लिए भी इस फेस पैक का इस्तेमाल किया जा सकता है। आइए पोषक तत्वों से भरपूर इस फेस पैक को बनाने के बेहद आसान तरीके के बारे में जानते हैं।

कैसे बनाएं फेस पैक?

इस फेस पैक को बनाने के लिए आपको महज दो चीजों की जरूरत पड़ेगी। सबसे पहले एक कटोरी में दो स्पून आलू का रस निकाल लीजिए। अब इसी कटोरी में एक स्पून शहद निकाल लीजिए। इसके बाद आपको इन दोनों चीजों को अच्छी तरह से मिक्स कर एक स्मूद पेस्ट तैयार कर लेना है। अब आप इस पेस्ट यानी फेस पैक को अपने स्किन केयर रूटीन का हिस्सा बना सकते हैं।

इस्तेमाल करने का तरीका

आपको इस फेस पैक को अपने पूरे चेहरे पर और गर्दन वाले हिस्से पर अप्लाई कर लेना है। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए रात में सोने से पहले इस फेस पैक को लगाएं। थोड़ी देर तक इस फेस पैक को अप्लाई करके रखें और फिर फेस वॉश कर लें। आपको महज कुछ ही हफ्तों में खुद-ब-खुद पॉजिटिव असर दिखाई देने लगेगा। हालांकि, इस फेस पैक को अपने पूरे चेहरे पर अप्लाई करने से पहले आपको पैच टेस्ट करना नहीं भूलना चाहिए।

त्वचा के लिए फायदेमंद

इस फेस पैक की मदद से न केवल चेहरे पर निकलने वाले दाग-धब्बों को काफी हद तक कम किया जा सकता है बल्कि आपकी रूखी और बेजान त्वचा को मुलायम भी बनाया जा सकता है। इस फेस पैक में पाए जाने वाले तमाम औषधीय गुण आपकी त्वचा की रंगत को सुधारने में भी कारगर साबित हो सकते हैं। कुल मिलाकर ये फेस पैक आपकी त्वचा की सेहत के लिए वरदान साबित हो सकता है।



टूटते-झड़ते बालों के लिए रामबाण इलाज, इन तीन नेचुरल चीजों को मिक्स करके बनाएं हेयर पैक

नई दिल्ली, एजेंसी। *अगर आपके बाल बहुत ज्यादा टूट रहे हैं या फिर झड़ने लगे हैं, तो आपको अपने बालों की जड़ों को मजबूत बनाने की जरूरत है। हेयर फॉल होने का मतलब है कि आपके बालों में पोषण की कमी पैदा हो गई है। अगर आप अपनी हेयर हेल्थ को सुधारना चाहते हैं, तो आप घर पर ही हेयर पैक बना सकते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि नेचुरल हेयर पैक बनाने के लिए आपको 2 स्पून मेथी दाना, 4 स्पून नारियल का तेल और एक स्पून प्याज के रस की जरूरत पड़ेगी।*

कैसे बनाएं हेयर पैक?

सबसे पहले आपको मेथी दाने को एक गिलास पानी में रात भर के लिए भिगोकर छोड़ देना है। अब अगली सुबह भीगे हुए मेथी दाने को पीसकर एक पेस्ट तैयार कर लीजिए। इसके बाद एक कटोरी में मेथी दाने के पेस्ट के साथ-साथ नारियल का तेल और प्याज का रस भी निकाल लीजिए। आपको इन तीनों चीजों को अच्छी तरह से मिक्स करना है और आपका केमिकल फ्री हेयर पैक इस्तेमाल करने के लिए तैयार है। आपको इस हेयर पैक को न केवल अपनी स्कैल्प पर बल्कि अपने बालों पर भी अच्छी तरह से अप्लाई कर लेना है। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए आप हल्के हाथों से मालिश भी कर सकते हैं। आपको इस हेयर पैक को लगभग आधे घंटे तक अपने बालों पर लगाए रखना है। 30-45 मिनट के बाद आप हेयर वॉश कर सकते हैं।

ऑयली स्किन से पाना चाहते हैं छुटकारा, तो घर पर ऐसे बनाएं नेचुरल टोनर

नई दिल्ली, एजेंसी। क्या आपकी स्किन ऑयली है यानी क्या आपकी त्वचा पर भी एक्सेस ऑइल मौजूद रहता है? अगर हां, तो त्वचा से जुड़ी इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए आप नेचुरल टोनर को अपने स्किन केयर रूटीन का हिस्सा बना सकते हैं। ऑषधीय गुणों से भरपूर ये टोनर आपकी त्वचा की सेहत के लिए वरदान साबित हो सकता है। आइए इस टोनर को बनाने के और इस्तेमाल करने के सही तरीके के बारे में जानकारी हासिल करते हैं।

कैसे बनाएं टोनर?

टोनर बनाने के लिए आपको गुलाब जल और एलोवेरा जेल की जरूरत पड़ेगी। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए ध्यान रहे कि दोनों ही चीजें फ्रेश होनी चाहिए। सबसे पहले एक बड़े कटोरे में



एक कप गुलाब जल निकाल लीजिए। अब इसी कटोरे में हाफ कप एलोवेरा जेल निकालकर इन दोनों चीजों को अच्छी तरह से मिक्स कर लीजिए। आप इस नेचुरल टोनर को किसी भी स्प्रे बॉटल में स्टोर करके रख सकते हैं।

इस्तेमाल करने का तरीका

आप इस केमिकल फ्री टोनर को अपने स्किन केयर रूटीन में शामिल कर सकते हैं। सबसे पहले चेहरे को अच्छी तरह से साफ कर लीजिए। अब अपने पूरे फेस पर इस टोनर को स्प्रे कर अप्लाई कर लीजिए। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए थोड़ी देर तक इस टोनर को अपने चेहरे पर लगाए रखें। मुंह धोने के बाद आपको खुद-ब-खुद पॉजिटिव असर महसूस होने लगेगा। आपको हर रोज निमय से इस टोनर को दिन में एक बार यूज करना है।

त्वचा के लिए फायदेमंद

इस टोनर में पाए जाने वाले तत्व आपकी त्वचा पर मौजूद एक्सेस ऑइल को रिमूव करने में कारगर साबित हो सकते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि ये टोनर न केवल ऑयली स्किन से छुटकारा दिलाने में बल्कि आपकी त्वचा को हाइड्रेटेड रखने में भी मददगार साबित हो सकता है। स्किन की फ्रेशनेस को बरकरार रखने के लिए भी इस टोनर का इस्तेमाल किया जा सकता है।

भारत में प्लास्टिक करेंसी की तैयारी, 2027 से 10 और 20 रुपये के नोटों का परीक्षण संभव

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) देश में प्लास्टिक करेंसी शुरू करने की दिशा में कदम बढ़ा रहा है। रिपोर्टों के मुताबिक, आरबीआई एक अप्रैल 2027 से 10 और 20 रुपये के प्लास्टिक नोटों का क्षेत्रीय परीक्षण शुरू कर सकता है। इसके लिए नए नोटों का आकार मौजूदा कागज के नोटों के समान रखने की योजना है। ऐसा होने पर बैंकों को एटीएम मशीनों में तकनीकी बदलाव कराने की जरूरत नहीं पड़ेगी और इस पर होने वाला अतिरिक्त खर्च बच सकेगा। योजना के अनुसार, प्लास्टिक के नए नोटों की लंबाई और चौड़ाई पहले की तरह ही रखी जाएगी। दरअसल, नोटों का आकार बदलने पर एटीएम में लगे सेंसर, नोट रखने की व्यवस्था और अन्य तकनीकी सुविधाओं में बदलाव करना पड़ सकता है। इसके लिए बैंकों को मशीनों को नए आकार के अनुरूप तैयार कराना होगा, जिससे उन पर आर्थिक बोझ बढ़ सकता है। इससे पहले 100 और 200 रुपये के नए नोट जारी किए जाने के दौरान देशभर में करीब 2.4 लाख एटीएम मशीनों में बदलाव करना पड़ा था। इस प्रक्रिया पर एटीएम उद्योग को लगभग 100 करोड़ रुपये खर्च करने पड़े



थे। ऐसे में नए प्लास्टिक नोटों का आकार पहले जैसा रखने से इस तरह के बड़े खर्च से बचा जा सकता है। एक बैंक अधिकारी के मुताबिक, यदि किसी बैंक के पास 8,500 एटीएम हैं तो नोटों का आकार नहीं बदलने से उसे शुरुआती स्तर पर करीब 21.25 करोड़ रुपये की बचत हो सकती है। प्लास्टिक नोटों के शुरुआती परीक्षण के दौरान इन्हें बैंक शाखाओं के काउंटर से भी उपलब्ध कराया जा सकता है। इससे लोगों तक नए नोट पहुंचाने और उनके इस्तेमाल का परीक्षण करने में मदद मिलेगी। प्लास्टिक नोट तैयार करने के लिए आरबीआई की सहयोगी कंपनी भारतीय रिजर्व बैंक नोट मुद्रण प्राइवेट लिमिटेड ने निविदा जारी की है। इस प्रक्रिया में छह कंपनियों ने बोली लगाई है। इनमें भारतीय कंपनी यूफ्लेक्स भी शामिल है, जिसने अमेरिकी कंपनी स्पेक्ट्रा सिस्टम्स के साथ साझेदारी की है। कंपनियों की ओर से विशेष प्लास्टिक शीट की आपूर्ति की जाएगी। निविदा के तहत 10 और 20 रुपये के नोटों के निर्माण के लिए कुल 68 हजार रीम विशेष प्लास्टिक शीट खरीदी जाएंगी। ये शीट द्विअक्षीय अभिविन्यस्त पॉलीप्रोपाइलीन यानी बीओपीपी से तैयार होंगी। इन पर विशेष कोटिंग की जाएगी, जिससे नोटों पर छपाई बेहतर हो सके और स्याही सतह पर आसानी से चिपक सके। इस सामग्री से नोटों को अधिक टिकाऊ बनाने में मदद मिलने की उम्मीद है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा के मुताबिक, प्लास्टिक के नोट सामान्य कागज के नोटों की तुलना में दो से चार गुना अधिक समय तक चल सकते हैं। हालांकि, इन्हें बड़े स्तर पर जारी करने से पहले भारत के मौसम और इस्तेमाल की परिस्थितियों में इनकी जांच की जाएगी। इसके तहत यह देखा जाएगा कि अलग-अलग तापमान और सामान्य उपयोग के दौरान नोट कितने समय तक सुरक्षित और उपयोगी बने रहते हैं।

खुदरा कारोबार में ई-इनवॉइसिंग की तैयारी 1 अप्रैल 2027 से शुरू हो सकता है परीक्षण



नई दिल्ली, एजेंसी। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) का दायरा बढ़ाने और कर चोरी पर अंकुश लगाने के लिए सरकार खुदरा कारोबार में ई-इनवॉइसिंग व्यवस्था लागू करने की तैयारी कर रही है। इसके तहत एक अप्रैल 2027 से चुनिंदा व्यावसायिक क्षेत्रों में पायलट परियोजना शुरू की जा सकती है। नई व्यवस्था में दुकानदारों और कारोबारियों को आम ग्राहकों को जारी किए जाने वाले बिलों का इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड रखना होगा। घटनाक्रम से जुड़े सरकारी अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी है। इस पहल का प्रमुख उद्देश्य खुदरा कारोबार में होने वाले लेनदेन की निगरानी बढ़ाना और वास्तविक बिक्री का जीएसटी रिटर्न में घोषित आंकड़ों से मिलान करना है। फिलहाल कारोबारी अपने रिटर्न में कुल बिक्री का विवरण देते हैं। प्रत्येक ग्राहक को जारी किए गए बिल की अलग-अलग जानकारी देना अनिवार्य नहीं है। नई व्यवस्था लागू होने पर कर अधिकारी व्यक्तिगत बिलों के आधार पर बिक्री और कर भुगतान की जांच कर सकेंगे। वर्तमान व्यवस्था के तहत सालाना पांच करोड़ रुपये से अधिक कारोबार करने वाले व्यवसायों को दूसरे कारोबारियों को जारी किए जाने वाले बिलों का विवरण सरकारी पोर्टल पर इलेक्ट्रॉनिक रूप से दर्ज करना होता है। इसे कारोबार से कारोबार यानी बी2बी लेनदेन कहा जाता है। अब सरकार इस व्यवस्था का विस्तार कारोबार से उपभोक्ता यानी बी2सी लेनदेन तक करने पर विचार कर रही है। इससे दुकानों और अन्य खुदरा प्रतिष्ठानों में होने वाली बिक्री का रिकॉर्ड भी डिजिटल रूप में उपलब्ध होगा। खुदरा ई-इनवॉइसिंग को लेकर सितंबर 2024 में हुई जीएसटी परिषद की 54वीं बैठक में भी चर्चा की गई थी। परिषद ने चुनिंदा क्षेत्रों और राज्यों में इस व्यवस्था का स्वैच्छिक परीक्षण करने की सिफारिश की थी। प्रस्ताव के अनुसार, शुरुआत में कारोबारियों को स्वेच्छा से डिजिटल बिल जारी करने और उनका रिकॉर्ड रखने का अवसर दिया जा सकता है।

भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते को लागू करने की तैयारियां तेज, दिसंबर में हस्ताक्षर की योजना

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और यूरोपीय संघ के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते को लागू करने से जुड़े मुद्दों पर चर्चा शुरू हो गई है। इस समझौते पर दिसंबर में हस्ताक्षर किए जाने की योजना है। वाणिज्य मंत्रालय के आधिकारिक बयान के अनुसार, वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने पिछले सप्ताह ब्रसेल्स यात्रा के दौरान यूरोपीय संघ के अधिकारियों के साथ बैठक कर समझौते के क्रियान्वयन की तैयारियों पर विचार-विमर्श किया। राजेश अग्रवाल ने यूरोपीय आयोग के व्यापार एवं आर्थिक सुरक्षा महानिदेशालय की डिट्टे जुल जॉर्गनस, अंतरराष्ट्रीय साझेदारी महानिदेशालय के कोएन डोएन्स और कराधान एवं सीमा शुल्क संघ महानिदेशालय के गेरासिमोस थॉमस से मुलाकात की। इन बैठकों में



समझौते को लागू करने के लिए जरूरी प्रक्रियाओं और दोनों पक्षों के बीच व्यापारिक सहयोग को सुगम बनाने के उपायों पर चर्चा हुई। वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, बातचीत का प्रमुख विषय सीमा शुल्क सहयोग, व्यापार सुगमता और मुक्त व्यापार समझौते को लागू करने की तैयारियां रहा। दोनों पक्षों ने माना कि कारोबारियों को बेहतर सुविधाएं देने, लेनदेन की लागत कम करने और वैध व्यापार की आवाजाही सुचारु बनाए रखने के लिए सीमा शुल्क प्रक्रियाओं को अधिक कुशल और पारदर्शी बनाना जरूरी है। बैठक में डिजिटल तकनीक से सक्षम सीमा शुल्क व्यवस्था के महत्व पर भी जोर दिया गया। दोनों पक्षों का मानना है कि प्रक्रियाओं को सरल और पारदर्शी बनाने से आयात-निर्यात से जुड़े कारोबारियों को लाभ मिलेगा। इससे व्यापारिक लेनदेन में लगने वाला समय और खर्च कम करने के साथ ही सीमा शुल्क संबंधी औपचारिकताओं को पूरा करना आसान हो सकेगा। भारत और यूरोपीय संघ ने 27 जनवरी को मुक्त व्यापार समझौते के लिए बातचीत पूरी होने की घोषणा की थी। इस समझौते से भारत के श्रम आधारित क्षेत्रों को यूरोपीय बाजार में शुल्क मुक्त पहुंच मिलने की उम्मीद है।

बीएस-7 उत्सर्जन मानकों पर वाहन निर्माताओं को मिल सकती है राहत, समयसीमा बढ़ाने की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में बढ़ते प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए प्रस्तावित बीएस-7 उत्सर्जन मानकों को लेकर वाहन निर्माताओं को कुछ राहत मिलने की उम्मीद है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने नए नियमों पर संबंधित पक्षों से सुझाव और आपत्तियां मांगी हैं। सरकार का उद्देश्य प्रदूषण नियंत्रण के लिए कड़े मानक लागू करना है, लेकिन वाहन उद्योग की ओर से उठाई गई व्यावहारिक समस्याओं पर भी विचार किया जा रहा है। हालांकि, राहत किस रूप में और कितनी मिलेगी, इसे लेकर अभी स्थिति स्पष्ट नहीं है। वाहन निर्माताओं के संगठन सियाम ने मंत्रालय को पत्र लिखकर भारी वाहनों के टायर और ब्रेक से निकलने वाले प्रदूषण को नियंत्रित करने से जुड़े नियमों की समयसीमा बढ़ाने का सुझाव दिया है। संगठन का कहना है कि इन नियमों को अप्रैल 2031 के बजाय अप्रैल 2035 से लागू किया जाना चाहिए। इस मांग में बस और ट्रक जैसे भारी वाहन शामिल हैं। वाहन उद्योग का मानना है कि नए प्रावधानों को लागू करने के लिए कंपनियों को अतिरिक्त समय की जरूरत



होगी। मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि सरकार पर्यावरण संरक्षण और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए बीएस-7 मानकों को लागू करने के अपने फैसले पर कायम है। हालांकि, वाहन निर्माताओं की चिंताओं पर बातचीत के रास्ते खुले हैं। मंत्रालय ने प्रस्तावित नियमों को लेकर सभी संबंधित पक्षों से सुझाव और आपत्तियां मांगी हैं, ताकि अंतिम व्यवस्था तैयार करते समय तकनीकी और व्यावहारिक पहलुओं पर भी विचार किया जा सके। प्रस्ताव के अनुसार, एक अप्रैल 2029 से निर्मित होने वाली सभी नई यात्री कारों के मॉडलों पर बीएस-7 उत्सर्जन मानक लागू किए जाने हैं। इसके बाद एक अप्रैल 2030 से एन-1 श्रेणी के हल्के मालवाहक वाहनों को भी इन मानकों के दायरे में लाने का प्रस्ताव है। इन नियमों का उद्देश्य वाहनों से निकलने वाले हानिकारक प्रदूषकों की मात्रा को निर्धारित सीमा में रखना है। भारी वाहनों के लिए पहली समयसीमा एक अप्रैल 2031 तय की गई है। इस चरण में एम-2, एम-3, एन-2 और एन-3 श्रेणी के वाहन शामिल होंगे। इनमें बसों और भारी मालवाहक वाहनों की विभिन्न श्रेणियां आती हैं। इनके लिए कार्बन मोनोऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड और सूक्ष्म कणों जैसे प्रदूषकों को नियंत्रित करने के प्रावधान लागू करने की योजना है। बीएस-7 मानकों के अगले चरण में हल्के मालवाहक वाहनों के टायर और ब्रेक से निकलने वाले कणों को नियंत्रित करने के नियम शामिल किए गए हैं। एक अप्रैल 2032 से एन-1 श्रेणी के वाहनों के लिए ब्रेक से निकलने वाले कणों की सीमा, बैटरी की आयु और टायर से होने वाले उत्सर्जन से जुड़े प्रावधान लागू करने का प्रस्ताव है। इसका उद्देश्य केवल इंजन से निकलने वाले धुएं ही नहीं, बल्कि वाहन के अन्य हिस्सों से पैदा होने वाले प्रदूषण पर भी नियंत्रण करना है।

हार्दिक पांड्या छोड़ेंगे मुंबई इंडियंस का साथ

पंजाब किंग्स में ट्रेड होने की बड़ी खबर, अर्शदीप सिंह जाएंगे एमआई!

मुंबई, यशभारत। आईपीएल 2027 के 20वें सीजन के आगाज होने से पहले एक चौंकाने वाली खबर सामने आ रही है। पिछले सीजन में मुंबई इंडियंस की कप्तानी करने वाले स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या आगामी सीजन में पंजाब किंग्स की जर्सी में नजर आ सकते हैं।



दरअसल, रिपोर्ट्स के मुताबिक, मुंबई इंडियंस और पंजाब किंग्स के बीच हार्दिक पांड्या को लेकर एक बड़े ट्रेडज यानी खिलाड़ियों की अदला-बदली पर बातचीत अंतिम दौर में पहुंच चुकी है।

पंजाब किंग्स में जाएंगे पांड्या?

दरअसल, स्पोर्टस्टार की एक रिपोर्ट के अनुसार, पंजाब किंग्स ट्रेड विंडो के जरिए हार्दिक पांड्या को अपनी टीम में शामिल करने के समझौते के बेहद करीब पहुंच गई है। मुख्य कोच रिकी पोंटिंग की देखरेख में पंजाब फ्रेंचाइजी की मुंबई इंडियंस के साथ बातचीत काफी आगे बढ़ चुकी है।

इस मेगा ट्रेड डील के तहत, भारतीय स्टार तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और विकेटकीपर-बल्लेबाज विष्णु विनोद के मुंबई इंडियंस (रूढ़) में जाने की पूरी संभावना है। अगर यह डील फाइनल होती है, तो अर्शदीप सिंह आईपीएल इतिहास में पहली बार पंजाब किंग्स के अलावा किसी दूसरी फ्रेंचाइजी के लिए खेलते हुए दिखाई देंगे। बता दें कि हार्दिक पांड्या को ट्रेड करने के लिए मुंबई इंडियंस ने केवल पंजाब ही नहीं, बल्कि कम से कम 3 अन्य आईपीएल फ्रेंचाइजी के साथ भी संभावनाएं तलाशी थीं। खबरों की मानें तो पंजाब किंग्स के अलावा कोलकाता नाइट राइडर्स (चयक्र) ही एकमात्र ऐसी टीम थी, जिसके साथ मुंबई इंडियंस की बातचीत काफी आगे बढ़ी थी।

पंजाब ने अर्शदीप को 18 करोड़ में रखा था बरकरार

गौरतलब है कि पंजाब किंग्स ने आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी से पहले अर्शदीप सिंह को रिलीज कर दिया था। हालांकि, ऑक्शन टेबल पर पंजाब ने च्वाइट टू मैचज (ऋक्षरू) कार्ड का इस्तेमाल करके उन्हें वापस अपनी टीम में शामिल किया। नीलामी के दौरान सनराइजर्स हैदराबाद (स्क्रा) ने अर्शदीप के लिए अपनी बोली को 15.75 करोड़ रुपये से बढ़ाकर सीधे 18 करोड़ रुपये कर दिया था, जिसके बाद PBKS ने इसी मैचिंग प्राइस (18 करोड़ रुपये) की पेशकश कर इस धाकड़ बाएं हाथ के तेज गेंदबाज को अपने साथ बरकरार रखा था। हार्दिक पांड्या आईपीएल 2024 से पहले गुजरात टाइटंस से एक पूरी तरह से कैश डील के जरिए मुंबई इंडियंस में वापस लौटे थे। इससे पहले उन्होंने गुजरात टाइटंस के साथ दो बेहद सफल सीजन बिताए थे, जहां 2022 में उन्होंने अपनी कप्तानी में टीम को डेब्यू सीजन में ही खिताब जिताया था। हालांकि, मुंबई इंडियंस के कप्तान के रूप में उनकी वापसी सफल नहीं रही।

सिंधु और चानू समेत 10 खिलाड़ी आईओए एथलीट्स कमीशन में निर्विरोध निर्वाचित

सुधा सिंह और किदांबी श्रीकांत के नाम वापस लेने से मतदान की जरूरत नहीं पड़ी, 7 नवंबर को होगा चेयरमैन और वाइस चेयरमैन का चुनाव

नई दिल्ली। यशभारत। ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और मीराबाई चानू समेत 10 दिग्गज खिलाड़ियों को भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के एथलीट्स कमीशन में निर्विरोध चुन लिया गया है। मंगलवार को रिटर्निंग ऑफिसर संजय के. श्रीवास्तव ने सभी 10 सदस्यों के निर्वाचन की औपचारिक घोषणा की। आयोग में पांच पुरुष और पांच महिला खिलाड़ियों को जगह मिली है। सभी सदस्यों का कार्यकाल 2026 से 2030 तक रहेगा। दो उम्मीदवारों के नाम वापस लेने के कारण 3 नवंबर को प्रस्तावित मतदान रद्द करना पड़ा।

पूर्व एथलीट सुधा सिंह ने सोमवार देर रात अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली थी। इससे पहले बैडमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत भी सोमवार को चुनाव मैदान से हट गए थे। दोनों के हटने के बाद 10 पदों के लिए 10 ही उम्मीदवार शेष रह गए। ऐसे में सभी का निर्विरोध निर्वाचन तय हो गया और मतदान कराने की आवश्यकता नहीं पड़ी।

आईओए के चुनाव नियमों के अनुसार 10 सदस्यीय एथलीट्स कमीशन में छह ऐसे खिलाड़ियों का होना अनिवार्य है, जिन्होंने पिछले तीन ओलंपिक में से कम से कम एक में भारत का प्रतिनिधित्व किया हो। इस श्रेणी में तीन पुरुष और तीन महिला खिलाड़ियों को शामिल किया जाता है। शेष चार सीटें उन खिलाड़ियों के लिए निर्धारित हैं, जिन्होंने पिछले तीन एशियन गेम्स, कॉमनवेल्थ गेम्स, विश्व चैंपियनशिप, विश्व कप या राष्ट्रीय खेलों में कम से कम एक पदक जीता हो। इस श्रेणी में दो पुरुष और दो महिला खिलाड़ियों को जगह दी जाती है। ओलंपिक श्रेणी से पुरुषों में हॉकी खिलाड़ी हरमनप्रीत सिंह, तैराक साजन प्रकाश और एथलेटिक्स खिलाड़ी तजिंदरपाल सिंह तूर चुने गए हैं। महिलाओं में पीवी सिंधु, भारोत्तोलक मीराबाई चानू और तीरंदाज बॉम्बेला देवी को जगह मिली है। वहीं, पदक विजेता श्रेणी से पुरुषों में



निशानेबाज स्वप्निल कुसाले और मंजीत सिंह तथा महिलाओं में हॉकी खिलाड़ी सलीमा टेटे और तलवारबाज भवानी देवी निर्वाचित हुई हैं। एशियाई ओलंपिक परिषद के एथलीट्स कमीशन के दो भारतीय प्रतिनिधि भी आईओए कमीशन के पदेन सदस्य होंगे। इनमें उपाध्यक्ष शिवा केशवन और हाल ही में नियुक्त राजेश्वरी कुमारी शामिल हैं। इस तरह चेयरमैन और वाइस चेयरमैन के चुनाव में कुल 12 सदस्य मतदान करेंगे।

मैरी कॉम के कार्यकाल वाले आयोग के तीन सदस्य फिर चुने गए

आईओए के पूर्व एथलीट्स कमीशन की अध्यक्ष मुक्केबाज मैरी कॉम थीं। उस आयोग में पीवी सिंधु, मीराबाई चानू और भवानी देवी भी सदस्य थीं। तीनों खिलाड़ियों ने एक बार फिर अपनी जगह बरकरार रखी है।

7 नवंबर को होगा नेतृत्व का फैसला

नए चुने गए सदस्य अब एथलीट्स कमीशन के चेयरमैन और वाइस चेयरमैन का चुनाव करेंगे। इन दोनों पदों में एक पुरुष और एक महिला का चुना जाना अनिवार्य है। इसके लिए 4 और 5 नवंबर को नामांकन दाखिल किए जाएंगे, जबकि 6 नवंबर को उम्मीदवारों की अंतिम सूची जारी होगी। 7 नवंबर को वर्चुअल माध्यम से मतदान कराया जाएगा। चेयरमैन पद के लिए केवल ओलंपिक श्रेणी के छह सदस्य ही उम्मीदवार बन सकेंगे। वहीं, पदेन सदस्यों सहित सभी 12 सदस्य मतदान में हिस्सा लेंगे। एशियाई ओलंपिक परिषद के प्रतिनिधि शिवा केशवन और राजेश्वरी कुमारी इन पदों के लिए उम्मीदवार नहीं बन सकेंगे। नियमों के मुताबिक कोई सदस्य चेयरमैन-वाइस चेयरमैन के चुनाव अथवा आईओए की जनरल बॉडी के दो प्रतिनिधियों के चुनाव में से किसी एक के लिए ही उम्मीदवार बन सकता है।

कार्यकारी परिषद में भी मिलेगी अहम भूमिका

एथलीट्स कमीशन के चेयरमैन और वाइस चेयरमैन आईओए की कार्यकारी परिषद के सदस्य भी बनेंगे। इसके अलावा आयोग के दो प्रतिनिधि, एक पुरुष और एक महिला, मतदान के अधिकार के साथ आईओए की जनरल बॉडी में शामिल होंगे। ये दोनों प्रतिनिधि 5 दिसंबर को होने वाले आईओए की कार्यकारी परिषद के चुनाव में भी मतदान करेंगे। हॉकी खिलाड़ी सलीमा टेटे की उम्र फिलहाल 24 वर्ष है। इस कारण वह चेयरमैन या वाइस चेयरमैन पद का चुनाव नहीं लड़ सकतीं, क्योंकि इन पदों के लिए न्यूनतम आयु 25 वर्ष निर्धारित है। हालांकि, जनरल बॉडी के दो प्रतिनिधियों के चुनाव में उम्मीदवार बनने के लिए न्यूनतम आयु 18 वर्ष है। ऐसे में सलीमा इस चुनाव में अपनी दावेदारी पेश कर सकती हैं।

34 हजार की क्षमता और 80 लाख दावेदार, वनडे विश्व कप 2027 में भारत-पाक मैच के टिकटों की मची भारी लूट

मुंबई,यशभारत। आईसीसी वनडे विश्व कप 2027 में भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले महामुकाबले के लिए टिकटों की अभूतपूर्व मांग चल रही है। जोहान्सबर्ग के वांडरर्स स्टेडियम में होने वाले इस मैच के लिए 80 लाख से अधिक टिकटों के अनुरोध आए हैं, जबकि स्टेडियम की क्षमता सिर्फ 34,000 सीटों की है। जानें आईसीसी (ढ्ढष्टष्ठ) का क्या कहना है। क्रिकेट जगत की सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्विता यानी भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मैचों का क्रेज किस कदर सिर चढ़कर बोलता है, इसका अंदाजा आगामी वनडे विश्व कप 2027 के टिकटों की मांग से लगाया जा सकता है। जोहान्सबर्ग के वांडरर्स स्टेडियम में होने वाले भारत-पाकिस्तान मैच के लिए अब तक 80 लाख से अधिक प्रशंसकों ने टिकटों की मांग की है, जबकि इस ऐतिहासिक मैदान की दर्शक क्षमता महज 34,000 सीटों की है। ढ्ढष्टष्ठ द्वारा जारी किए गए इन आंकड़ों ने



टिकटिंग इतिहास के पुराने कई रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। दरअसल, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) ने हाल ही में पुष्टि की है कि भारत-पाकिस्तान मैच के टिकटों के लिए चल रहे बैलेट यानी लॉटरी प्रक्रिया के जरिए कुल 8,397,294 (लगभग 84 लाख) अनुरोध प्राप्त हुए हैं। दिलचस्प बात यह है कि 21 नवंबर को इसी मैदान पर होने वाले विश्व कप फाइनल के लिए अब तक लगभग 79 लाख अनुरोध ही आए हैं। यानी फाइनल मुकाबले से भी ज्यादा क्रेज भारत और पाकिस्तान के लीग मैच को लेकर है। बता दें कि, इस मेगा टूर्नामेंट के लिए आईसीसी की टिकट बैलट प्रक्रिया को दुनिया भर से अभूतपूर्व प्रतिक्रिया मिल रही है। अब तक 193 देशों के प्रशंसकों की ओर से कुल 12 करोड़ से अधिक टिकट अनुरोध प्राप्त हो चुके हैं। इस प्रतियोगिता को लाइव देखने के लिए करीब 28 लाख अलग-अलग क्रिकेट प्रेमियों ने अपनी रुचि दिखाई है।

डब्ल्यूटीए 125 टेनिस टूर्नामेंट आयोजित करने की योजना बना रहा टीएनटीए

चेन्नई (ईएमएस)। तमिलनाडु टेनिस संघ (टीएनटीए) अगले साल से देश में तीन से चार डब्ल्यूटीए 125 टेनिस टूर्नामेंट आयोजित कर सकता है। दिग्गज टेनिस स्टार विजय अमृतराज भी टीएनटीए के इस कदम का समर्थन कर रहे है। उनका कहना है कि चेन्नई ओपन जैसे डब्लूटीए टूर्नामेंट की मेजबानी खोने के बाद किसी न किसी मुकाबले की सख्त जरुरत है। जिससे कि उभरती हुई प्रतिभाओं को कोई मंच मिल सके।

अमृतराज का कहना है कि चेन्नई ओपन को भारत में ही बनाये रखे जाने की जरुरत थी पर डब्ल्यूटीए इसके लिए तैयार नहीं था। इसके पीछे उसने खराब मौसम और फिलीपींस की एलेक्जेंड्रा इला के उभरने को बताया। एलेक्जेंड्रा के विजेता बनने के कारण नियमों के तहत टूर्नामेंट की मेजबानी फिलीपींस को दे दी गयी। अमृताराज ने ये भी माना है कि मौसम ठीक नहीं होने के कारण भारत में चेन्नई ओपन में बेहतर रैंकिंग वाले अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी भी नहीं आ रहे थे। इससे भी फिलीपींस का पलड़ा भारी पड़ गया। इला, महिला रैंकिंग में शीर्ष 20 खिलाड़ियों में शामिल हैं.

रंग संसार



अभिनेत्री कनिका मान ने बताई पूर्व प्रेमी की हैवानियत भरी कहानी

मुंबई (यशभारत)। अभिनेत्री कनिका मान ने हाल ही में अपने जीवन के एक दर्दनाक अध्याय को साझा करते हुए अपने पहले रिश्ते के भयावह अनुभवों का खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि किस तरह उनका पूर्व प्रेमी उनके साथ शारीरिक और भावनात्मक रूप से बुरा बर्ताव करता था, जिसने उनकी जिंदगी को नर्क बना दिया था। इस आपबीती ने उन कई महिलाओं की कहानी को सामने लाया है, जो ऐसे रिश्तों में फंसकर हिंसा का शिकार होती हैं। कनिका ने बताया कि कॉलेज के दिनों में जब उनका पहला बॉयफ्रेंड बना, तो वह मानसिक रूप से अस्थिर था और बेहद बुरा बर्ताव करता था। कनिका ने एक डरावनी घटना साझा की, जब उनके पूर्व प्रेमी ने बिना बताए उनकी क्लास में आकर उन्हें केवल धारीदार सूट पहनने की वजह से पूरे कॉरिडोर के सामने इतनी जोर से थप्पड़ मारा कि उनके कानों से खून बहने लगा। उस समय उनके कानों में हाल ही में छेद करवाए गए थे। उन्होंने बताया कि उस वक्त कोई भी उनकी मदद के लिए आगे नहीं आया, जिसने उन्हें और भी अकेला महसूस कराया। यह केवल एक घटना नहीं थी। कनिका ने बताया कि उनका पूर्व प्रेमी उनके हर कदम पर नजर रखता था, उन्हें नियंत्रित करने की कोशिश करता था और उनका फोन छीनकर भीड़ में फेंक देता था। एक बार उसने उनके हॉस्टल के कमरे की चाबियां भी फेंक दी थीं, जिससे वह मुश्किल में पड़ गई।

कृति सेनन ने अंतरराष्ट्रीय फिल्म ऑब्सेशन के हिंदी संस्करण को दी अपनी आवाज

मुंबई (यशभारत)। अभिनेत्री कृति सेनन एक बार फिर अपने एक खास प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा का विषय बन गई हैं। इस बार उन्होंने एक अंतर्राष्ट्रीय फिल्म, ऑब्सेशन के हिंदी संस्करण के लिए अपनी आवाज दी है, जिसके लिए वह बेहद उत्साहित हैं। कृति ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर डबिंग सेशन की कुछ तस्वीरें और वीडियो साझा किए हैं, जिनमें उनके साथ फिल्म भेड़िया के निर्देशक अमर कौशिक और उनके को-स्टार वरुण धवन भी नजर आए। इस तिकड़ी की मुलाकात ने फैंस को उनकी पुरानी ऑनस्क्रीन जोड़ी और पर्दे पर उनकी केमिस्ट्री की याद दिला दी।



कृति ने अपने पोस्ट में बताया कि ऑब्सेशन जैसी शानदार फिल्म की सशक्त परफॉर्मेंस को हिंदी में अपनी आवाज देना उनके लिए एक अनूठा और बेहद खास अनुभव रहा। उन्होंने विशेष रूप से फिल्म में इंडेना नवरेटे के अभिनय की जमकर तारीफ की। कृति ने कहा कि डबिंग के दौरान इंडेना की परफॉर्मेंस को देखकर उनके एक बार फिर रोंगटे खड़े हो गए। अभिनेत्री के मुताबिक, यह एक बेहद शानदार फिल्म है जिसमें सभी कलाकारों ने अद्भुत काम किया है। उन्होंने इस प्रतिष्ठित प्रोजेक्ट का एक छोटा-सा हिस्सा बनने पर अपनी खुशी भी व्यक्त की, जो उनके करियर में एक और महत्वपूर्ण पड़ाव जोड़ता है। डबिंग स्टूडियो में वरुण धवन और अमर कौशिक के साथ उनकी मुलाकात भी उनके पोस्ट का एक अहम हिस्सा बनी। कृति ने मजाकिया अंदाज में लिखा कि जब वुल्फपैक को किसी चीज का जुनून चढ़ जाए, तो कुछ ऐसा ही होता है। यह टिप्पणी उनकी हिट फिल्म भेड़िया के संदर्भ में थी, जहां तीनों ने साथ काम किया था। कृति ने दोनों के साथ दोबारा मिलना और काम के सिलसिले में एक साथ समय बिताना यादगार बताया और उनके प्रति अपना स्नेह व्यक्त किया। यह मुलाकात उनके प्रशंसकों के लिए भी एक ट्रीट थी, जो उन्हें फिर से एक साथ देखने का इंतजार कर रहे थे। ऑब्सेशन के हिंदी वर्जन के दो प्रमोशनल वीडियो भी कृति की आवाज में जारी किए जा चुके हैं।





किंग के नए गाने में सुहाना खान की पहली झलक को लेकर अटकलें

मुंबई (यशभारत)। अभिनेता शाहरुख खान की आने वाली फिल्म किंग को लेकर सोशल मीडिया पर जबरदस्त उत्साह बना हुआ है। हाल ही में फिल्म का नया गाना तू मिल जाए जारी किया गया है, जिसने दर्शकों के बीच उत्सुकता और बढ़ा दी है। इस रोमांटिक गाने में शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण की शानदार केमिस्ट्री देखने को मिल रही है, जिसे फैंस खूब पसंद कर रहे हैं। हालांकि, इस गाने के साथ एक और बात सुर्खियों में आ गई है। कई फैंस यह दावा कर रहे हैं कि उन्हें इस गाने में शाहरुख खान की बेटी, सुहाना खान की भी एक झलक देखने को मिली है। इस कथित झलक ने सोशल मीडिया पर चर्चाओं का बाजार गर्म कर दिया है और लोग फिल्म में उनके किरदार को लेकर कयास लगा रहे हैं। यह खास सीन गाने के लगभग दो मिनट बाद आता है, जो देखने में एक एक्शन सीक्वेंस का हिस्सा प्रतीत होता है। इसमें एक लड़की आग की लपटों से घिरे एक घर की तरफ देखती हुई नजर आती है। हालांकि, लड़की का चेहरा स्पष्ट रूप से नहीं दिखता, लेकिन फैंस का मानना है कि यह सुहाना खान ही हैं, जिन्होंने शायद फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस छोटी सी झलक ने दर्शकों के बीच कई तरह की अटकलें पैदा कर दी हैं। एक फैन ने कमेंट किया, सुहाना खान? वहीं एक अन्य यूजर ने लिखा, मुझे लगता है कि किंग के नए गाने में ये सुहाना खान ही हैं। कुछ ने इससे भी आगे बढ़कर सवाल किए, जैसे क्या सुहाना खान किसी चीज का सिर पकड़े हुए हैं?

अमिताभ बच्चन ने गलत खबर पर मीडिया को लताड़ा

मुंबई (यशभारत)। मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने अपने ताजा सोशल मीडिया पोस्ट में मीडिया में छपी एक खबर को लेकर अपनी गहरी नाराजगी व्यक्त की है। अमिताभ ने आरोप लगाया है कि उनके शब्दों को मीडिया प्रचार के लिए गलत संदर्भ में पेश कर रहा है। इतना ही नहीं, सदी के महानायक ने इसके लिए मीडिया को कड़ी चेतावनी भी दी है। दरअसल, मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने हाल ही में एक पोस्ट साझा किया था, जिसमें उन्होंने भगवान कृष्ण के लिए अक्सर इस्तेमाल होने वाली पारंपरिक पंक्ति, हाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल की से जुड़ा एक भावुक संदेश और ब्लॉग लिखा था। अमिताभ का कहना है कि मीडिया ने इन शब्दों को तोड़मरोड़कर प्रस्तुत किया है।

अमिताभ ने स्पष्ट किया कि उनका पोस्ट वास्तव में भगवान कृष्ण के प्रति एक प्रार्थना थी और उनके शब्द न किसी राजनीतिक बयान का हिस्सा थे, न ही किसी विरोधी पर उन्होंने कोई तंज कसा था। उन्होंने कहा कि मीडिया ने ऐसी



खबर छापकर धार्मिक नजरिए से भी गलत किया है और इसे धर्म का निरादर भी बताया है। अपनी पोस्ट में, अमिताभ ने मीडिया में संबंधित खबर की हैडिंग का भी जिक्र किया, जिसमें उनके शब्दों को गलत तरीके से चुनौती के रूप में पेश किया गया था। उन्होंने कहा, और मीडिया उसका निरादर करके, अपना प्रचार करने के लिए, छापता है, देखिए ये अमिताभ अपने विरोधियों को चुनौती दे रहा है, की, ले आओ हाथी घोड़ा हम अपने हथियारों से लड़ेंगे, डरेंगे नहीं ! एक तो घोर निंदा एक जय श्री कृष्ण के उपलक्ष्य में, और दूसरा , शब्दों को पलट कर विरोधियों को चुनौती देने की बात कर रहे है।

अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए, दिग्गज अभिनेता ने मीडिया को एक कड़ा संदेश भी दिया, जिसमें कहा गया कि उनके पांच करोड़ से अधिक फॉलोअर्स हैं और अगर उन्हें केवल एक इशारा भी मिल जाए तो उनमें से दस प्रतिशत भी उनके समर्थन में आ जाएंगे, जिससे स्थिति भारी पड़ सकती है। मेगास्टार ने अपने पोस्ट के जरिए यह भी कहा कि जब किसी सार्वजनिक हस्ती से गलती होती है, तो वे तुरंत माफी मांग लेते हैं और सुधार करने का प्रयास करते हैं, लेकिन जब किसी भी मीडिया की तरफ से गलती होती है, तो उनकी तरफ से कोई माफी नहीं आती है।

भोपाल में बीजेपी की लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ पदयात्रा

अटल पथ से रोशनपुरा चौराहे तक निकला जनसैलाब, बुर्के में पहुंची मुस्लिम महिलाओं ने दिखाए मोदी जी कहीं नहीं जाएंगे के पोस्टर

भोपाल, यशभारत।

राजधानी भोपाल में बुधवार को भारतीय जनता पार्टी की ओर से निकाली गई लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ पदयात्रा ने शहर का सियासी पारा पूरी तरह हाई कर दिया। टीटी नगर के प्लेटिनम प्लाजा स्थित अटल पथ से शुरू हुई यह पदयात्रा रोशनपुरा चौराहे तक पहुंची। इस भव्य आयोजन में केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने मुख्य रूप से शिरकत की और विपक्ष पर तीखे राजनीतिक प्रहार किए।



जेपी नड्डा और सीएम मोहन के तीखे तेवर

सभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि कांग्रेस और इंडी गठबंधन देश में लगातार अस्थिरता पैदा करने की साजिश रच रहे हैं। वहीं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि जो लोग न्यायपालिका के फैसलों की धज्जियां उड़ा रहे हैं, वे आज व्यवस्था पर सवाल उठा रहे हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने राहुल गांधी की राजनीति को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि वे सिर्फ आरोप लगाओ और भाग जाओ' की नीति पर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र और कर्नाटक में चुनाव प्रक्रिया को लेकर बेबुनियाद आरोप लगाए गए, लेकिन आज तक कोई सबूत पेश नहीं किया जा सका।

जेपी नड्डा और सीएम मोहन बोले- कांग्रेस विदेशी ताकतों के साथ मिलकर देश को कर रही अस्थिर

तीन तलाक लिखे बैनर हटाने का अनूठा वाकया, छात्रों और थर्ड जेंडर समुदाय की भी रही जोरदार भागीदारी

यात्रा का खास आकर्षण: मुस्लिम महिलाओं और थर्ड जेंडर की सहभागिता



इस पदयात्रा में एक अलग ही नजारा देखने को मिला, जब बड़ी संख्या में बुर्का पहनी मुस्लिम महिलाएं हाथों में केंद्र सरकार के समर्थन में स्लोगन और कहीं नहीं जाएंगे मोदी जी के पोस्टर थामे नजर आईं। हालांकि, इस दौरान एक दिलचस्प वाकया तब सामने आया जब कुछ महिलाओं ने तीन तलाक लिखे बैनर लेने से साफ इनकार कर दिया, जिसके बाद आयोजकों ने तुरंत उन बैनर को एक तरफ हटवा दिया। इसके अलावा, यात्रा में थर्ड जेंडर समुदाय के लोगों, युवाओं और विभिन्न कॉलेजों के स्टूडेंट्स ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। ढोल-नगाड़ों और देशभक्ति गीतों के बीच तिरंगा थामे युवा झूमते नजर आए। बीजेपी ने भोपाल और नर्मदापुरम संभाग से इस महाअभियान में करीब एक लाख लोगों के पहुंचने का दावा किया है। कार्यक्रम को लेकर सुरक्षा और यातायात के पुख्ता इंतजाम किए गए थे, ताकि शहरवासियों को वैकल्पिक मार्गों से सहूलियत मिल सके। पूर्व केंद्रीय मंत्री सत्यनारायण जटिया, सुरेश पचौरी, बीजेपी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लाल सिंह आर्य सहित कई दिग्गज नेता और स्थानीय विधायक इस आयोजन के गवाह बने।



सीपी ने झूलेलाल मार्केट में किया जनसंवाद, व्यापारियों ने उठाई सुरक्षा और ट्रैफिक की समस्या

भोपाल, यश भारत।

पुलिस कमिश्नर संजय कुमार ने थाना गांधीनगर क्षेत्र के झूलेलाल मार्केट में नागरिकों और व्यापारियों से जनसंवाद किया। इस दौरान लोगों ने क्षेत्र की सुरक्षा यातायात और मूलभूत व्यवस्थाओं से जुड़ी समस्याएं रखीं।

व्यापारियों ने दीपावली के दौरान बाजार में बढ़ने वाली भीड़ को देखते हुए प्रमुख स्थानों पर बैरिकेडिंग कराने का सुझाव दिया ताकि यातायात व्यवस्था सुचारू बनी रहे। वहीं सुमित विहार निवासी एक नागरिक ने घर में नकाबपोश बदमाशों द्वारा की गई चोरी का मामला उठाते हुए बताया कि प्रकरण अब तक अनट्रेस है। उन्होंने जल्द कार्रवाई की मांग की। नागरिकों ने गांधीनगर थाना और आसाराम तिराहे के आसपास पर्याप्त स्ट्रीट लाइट नहीं होने से दुर्घटनाओं और आपराधिक घटनाओं की आशंका जताई। इसके अलावा थाने के बाहर सड़क पर ऑटो खड़े रहने से यातायात बाधित होने की समस्या भी सामने रखी। जनसंवाद में नागरिकों ने समस्याओं के निराकरण की मांग की।

नीलम पार्क में एक महीने से धरना जारी, दोबारा नियुक्ति की मांग

कफन पहनकर सड़क पर उतरे कोरोना वॉरियर्स, आयुष चिकित्सकों ने किया प्रदर्शन

भोपाल, यश भारत। कोरोना महामारी के दौरान प्रदेशभर में स्वास्थ्य सेवाएं देने वाले आयुष चिकित्सक अब अपनी दोबारा नियुक्ति की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। बुधवार को भोपाल के नीलम पार्क में धरने पर बैठे चिकित्सकों ने कफन पहनकर सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी चिकित्सकों का कहना है कि कोरोना की दूसरी लहर सहित महामारी के कठिन दौर में उन्होंने मरीजों की सेवा की और स्वास्थ्य व्यवस्था को संभालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लेकिन महामारी का संकट कम होते ही उन्हें नौकरी से हटा दिया गया। अब लंबे समय से वे पुनर्नियुक्ति की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। चिकित्सकों का आरोप है कि पिछले एक महीने से धरना देने के बावजूद सरकार की ओर से उनकी मांगों पर कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। उन्होंने जल्द दोबारा नियुक्ति देने की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी है कि मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन को और तेज किया जाएगा।



मप्र पुलिस महकमे में फेरबदल: हैदराबाद प्रशिक्षण पर जाएंगे 14 आईपीएस, प्रमुख पदों पर नए अफसरों को कमान

भोपाल, यशभारत।

मध्य प्रदेश में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुचारू बनाए रखने के लिए गृह विभाग ने बड़ा प्रशासनिक कदम उठाया है। हैदराबाद स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी में आयोजित 28वें मिड कॉरिअर ट्रेनिंग प्रोग्राम फेज-III में हिस्सा लेने के लिए 14 भारतीय पुलिस सेवा अधिकारियों को कार्यमुक्त किया गया है। 20 नवंबर तक चलने वाले इस विशेष प्रशिक्षण के दौरान मैदानी स्तर पर कामकाज प्रभावित न हो, इसके लिए विभाग ने रवानगी से पूर्व ही वैकल्पिक कार्यभार व्यवस्था के तहत नए अफसरों को जिम्मेदारी सौंप दी है।

इन प्रमुख पदों पर की गई नई व्यवस्थाएं

शहडोल रेंज (डीआईजी): विवेक सिंह के स्थान पर शहडोल के पुलिस अधीक्षक संजय कुमार अग्रवालको अतिरिक्त दायित्व सौंपा गया है।

नगरीय पुलिस भोपाल (अतिरिक्त पुलिस आयुक्त): शैलेंद्र सिंह चौहान की जगह मोनिका शुक्ला कार्यभार संभालेंगी।

मध्य प्रदेश पुलिस अकादमी भौंरी (उप निदेशक): रामजी श्रीवास्तव के स्थान पर राज्य पुलिस सेवा की अधिकारी श्रिम पाण्डेय जिम्मेदारी संभालेंगी।

ग्वालियर (पुलिस अधीक्षक): धर्मवीर सिंह के स्थान पर 13वीं वाहिनी के सेनानी श्रुतकीर्ति सोमवंशी कमान संभालेंगे।

23वीं वाहिनी विसबल भोपाल (सेनानी): प्रमोद कुमार सिन्हा का प्रभार 25वीं वाहिनी के सेनानी नागेंद्र सिंह को दिया गया है।

भोपाल (डीसीपी जोन-2): विकास कुमार सहवाल की अनुपस्थिति में डीसीपी जोन-3 आयुष गुप्ता यह कार्यभार संभालेंगे।

सात जिलों सहित इन इकाइयों में नए अफसरों को मिली कमान

प्रशिक्षण पर जाने वाले सात जिलों के पुलिस अधीक्षकों और अन्य इकाइयों के प्रमुखों के स्थान पर निम्नलिखित अधिकारियों को नई जिम्मेदारी दी गई है:

रायसेन: पुलिस अधीक्षक आशुतोष के स्थान पर रेल भोपाल के एसपी अंकित जायसवाल को कमान सौंपी गई है।

बड़वानी: पुलिस अधीक्षक पद्म विलोचन शुक्ला का प्रभार सेनानी विनोद कुमार सिंह को दिया गया है।

अटल पथ पर बीजेपी की रैली, डीईओ के लचीले आदेश ने बढ़ाई बच्चों-अभिभावकों की धड़कनें

टीटी नगर में 50 हजार लोगों की भीड़ और वीवीआईपी मूवमेंट के बीच कई स्कूलों ने खुद लिया छुट्टी का फैसला

राजधानी में सियासत और जाम

भोपाल, यशभारत।



मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में आज मंगलवार 4 नवंबर को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ रैली और शक्ति प्रदर्शन का असर आम जनजीवन और स्कूली बच्चों पर साफ देखने को मिला। टीटी नगर स्थित अटल पथ क्षेत्र में आयोजित इस विशाल कार्यक्रम में केंद्रीय रक्षा मंत्री जेपी नड्डा, मुख्यमंत्री मोहन यादव समेत कई दिग्गज नेताओं के शामिल होने के अनुमान के चलते प्रशासन ने सुरक्षा और ट्रैफिक के कड़े इंतजाम किए हैं। हालांकि, स्कूलों की टाइमिंग और अवकाश को लेकर जिला प्रशासन द्वारा कोई स्पष्ट और एकसमान आदेश जारी न करने के कारण स्कूलों और अभिभावकों के बीच सुबह-सुबह भारी असमंजस की स्थिति बनी रही।

प्रशासन ने छोड़ी जिम्मेदारी, स्कूलों ने खुद संभाला मोर्चा- जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय द्वारा सोमवार को जारी आदेश में यह तो मान लिया गया था कि कार्यक्रम में 40 से 50 हजार से अधिक लोगों के जुटने से शहर के प्रमुख मार्ग विशेषकर रोशनपुरा, लिंक रोड नंबर 1 और 2, भदभदा, जवाहर चौक और पॉलिटेक्निक चौराहा प्रभावित हो सकते हैं। इसके बावजूद, शिक्षा विभाग ने शहरभर के सभी स्कूलों के लिए सीधे अवकाश की घोषणा करने के बजाय गेंद पूरी तरह स्कूल प्रबंधनों के पाले में डाल दी। विभाग ने स्कूलों को अपनी भौगोलिक स्थिति और बच्चों के रूट का आकलन कर खुद टाइमिंग बदलने या संचालन पर निर्णय लेने की छूट दी। इस विवेक आधारित प्रशासनिक निर्देश के बाद शहर के कई प्रमुख और बड़े निजी विद्यालयों ने बच्चों की सुरक्षा और संभावित जाम के खतरे को भांपते हुए खुद ही अवकाश घोषित कर दिया। वहीं, कई स्कूल खुले रहे, जिसके चलते अभिभावक सुबह-सुबह अपने बच्चों को लेकर पशोपेश में नजर आए।

सियासी सरगर्मी और ट्रैफिक डायवर्जन से आम लोग हलकान

सुबह से ही वीवीआईपी मूवमेंट और हजारों कार्यकर्ताओं के वाहनों के आगमन के कारण राजधानी के कई मुख्य मार्गों पर यातायात डायवर्जन लागू करना पड़ा। रैली स्थल के आसपास के इलाकों में वाहनों की लंबी कतारें लग गईं, जिससे सुबह ऑफिस जाने वाले लोगों और स्कूल बस चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। एक तरफ जहां राजनीतिक दलों के शक्ति प्रदर्शन से शहर की सड़कें पटी रहीं, वहीं दूसरी तरफ आम नागरिकों को रोजमर्रा की आवाजाही में ट्रैफिक जाम का सामना करना पड़ा।

उठ रहे हैं सवाल

राजनीतिक आयोजनों और रैलियों के दौरान इस तरह के लचीले प्रशासनिक आदेशों पर अब सवाल उठने लगे हैं। जानकारों का मानना है कि यदि शहर के बड़े हिस्से में यातायात ठप होने की पूरी संभावना थी, तो जिला प्रशासन को स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी करने चाहिए थे, ताकि बच्चों और अभिभावकों को अंतिम समय में होने वाली मानसिक परेशानी से बचाया जा सके। फिलहाल, अधिकांश स्कूलों ने हालात को देखते हुए अपने स्तर पर स्थिति संभाल ली है, लेकिन इस घटनाक्रम ने एक बार फिर वीवीआईपी आयोजनों और आम जनजीवन की प्राथमिकताओं पर बहस छेड़ दी है।

ऐशबाग में घर के पास से होंडा शाइन बाइक चोरी, सीसीटीवी में कैद हुआ चोर

भोपाल, यश भारत। राजधानी में वाहन चोरों के हौसले बुलंद हैं। ऐशबाग थाना क्षेत्र के दिलकुशा बाग में देर रात एक होंडा शाइन बाइक चोरी होने का मामला सामने आया है। चोरी की वारदात सनशाइन स्कूल और अली आटा चक्की के पास हुई। बाइक का नंबर एमपी 04यूएम 4188 बताया गया है। पीड़ित दानिश के अनुसार अज्ञात चोर देर रात बाइक लेकर फरार हो गया। घटना के सीसीटीवी फुटेज भी सामने आए हैं जिनमें एक व्यक्ति बाइक ले जाता हुआ दिखाई दे रहा है। पीड़ित ने फुटेज पुलिस को सौंपकर शिकायत दर्ज कराई है। शहर में लगातार बढ़ रही वाहन चोरी की घटनाओं और चोरी गए वाहनों की बरामदगी नहीं होने से लोगों में नाराजगी है। नागरिकों ने पुलिस से वाहन चोरों पर अंकुश लगाने और चोरी गए वाहनों की बरामदगी के लिए प्रभावी कार्रवाई की मांग की है। मामले में पुलिस की जांच जारी है।

राष्ट्रीय दंत चिकित्सा आयोग के बोर्ड में डॉ. चंद्रेश कुमार शुक्ला चयनित मध्य प्रदेश के लिए गौरव का क्षण, दो वर्ष के लिए बने अंशकालिक सदस्य

भोपाल,यश भारत।

मध्य प्रदेश के लिए गौरव की बात है कि डॉ. चंद्रेश कुमार शुक्ला का चयन राष्ट्रीय दंत चिकित्सा आयोग (एनडीसी) के एथिक्स एंड डेंटल रजिस्ट्रेशन बोर्ड में अंशकालिक सदस्य के रूप में हुआ है। भारत सरकार के केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा आयोग और इसके तीन स्वायत्त बोर्डों के अंशकालिक सदस्यों का चयन ड्रॉ ऑफ लॉट्स (लॉटरी प्रक्रिया) के माध्यम से किया गया। इस चयन प्रक्रिया के तहत



डॉ. शुक्ला को आगामी दो वर्षों के लिए बोर्ड का अंशकालिक सदस्य नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति को मध्य प्रदेश के दंत चिकित्सा क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। राष्ट्रीय स्तर पर आयोग के बोर्ड में प्रदेश का प्रतिनिधित्व मिलने से दंत चिकित्सा शिक्षा, पेशेवर नैतिकता और दंत चिकित्सकों के पंजीकरण से जुड़े विषयों में प्रदेश की भागीदारी को मजबूती मिलेगी। डॉ. शुक्ला के चयन से चिकित्सा जगत में हर्ष का माहौल है।

भोपाल में हनीट्रैप का खेल: ब्लैकमेल कर कारोबारी से ऐंठे 40 लाख

अब 1.5 करोड़ की नई रंगदारी; तीन पर केस दर्ज

भोपाल, यशभारत।

राजधानी में अपराधियों और ब्लैकमेलर्स का एक नया और गंभीर मामला सामने आया है, जहाँ एक प्रतिष्ठित व्यवसायी को हनीट्रैप और दुष्कर्म के झूठे मामलों में फंसाने का डर दिखाकर 40 लाख रुपये वसूल लिए गए। पीड़ित व्यवसायी की शिकायत पर बागसेवनिया थाना पुलिस ने एक महिला, उसके पति और पिता सहित तीन आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर कानूनी शिकंजा कस दिया है।

पुलिस को दी गई जानकारी के मुताबिक, इस शातिर गिरोह ने पहले व्यवसायी को झूठे केस में फंसाने की धमकी देकर नकद रकम ऐंठी और कागजी अनुबंध तैयार करवाए। इसके बाद एमपी नगर थाने में दुष्कर्म की शिकायत दर्ज कराकर



दबाव बनाया गया। अपनी सामाजिक प्रतिष्ठा और परिवार की गरिमा बचाने के लिए पीड़ित ने मध्यस्थता के जरिए 25 लाख रुपये 10 और 15 लाख के दो चेक देकर मामला रफा-दफा कराया और महिला ने अपनी शिकायत वापस ले ली। लेकिन लालच यहीं खत्म नहीं हुआ। कुछ समय बीतने के बाद आरोपियों ने फिर से संपर्क साधा और सीधे डेढ़ करोड़ रुपये की भारी-भरकम राशि की मांग कर डाली।

कॉल रिकॉर्डिंग और व्हाट्सऐप चैट बने अहम सबूत- रकम देने से साफ इनकार करने पर आरोपियों ने पीड़ित को दोबारा दुष्कर्म और एससी/एसटी एक्ट जैसे गंभीर मामलों में फंसाने के साथ-साथ जान से मारने की धमकियां देनी शुरू कर दीं। तंग आकर व्यवसायी ने इन तमाम धमकियों से जुड़े पुख्ता साक्ष्य कॉल रिकॉर्डिंग और व्हाट्सऐप चैट पुलिस को सौंप दिए हैं, जिसके आधार पर पुलिस ने आरोपियों की तलाश और आगे की वैधानिक कार्रवाई तेज कर दी है।



स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष कुमार शुक्ला, पी.जी.इंफ्रास्टचर एंड सर्विस प्रा.लि. राऊखेड़ी देवास रोड, इंदौर (मप्र) से मुद्रित एवं 22/1, पगनिसपागा पालसिकर कॉलोनी बालनिकेतन स्कूल के पास, इंदौर (म.प्र) 452007 से प्रकाशित | संपादक अम्बरीष तिवारी * प्रबंध संपादक अमरीश पचोरिया*, सलाहकार संपादक श्याम कटारे RNI No .MPHIN/26/A1896 फ़ोन - 9111201000 email - indoreyashbharat@gmail.com, (*पी.आर.बी.एक्ट के तहत समचार चयन के लिए जिम्मेदार) (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)